शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 187 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 02 अगस्त 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

बजट में नाम पर बवाल... संसद में घमासान

कृषि के लिए आवंटन संप्रग सरकार के मुकाबले पांच गुना ज्यादा: वित्त मंत्री

केरल की शिकायत पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के रुख को सही ठहराया

नई दिल्ली

लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में राज्यों को कम आवंटन अथवा उनके साथ भेदभाव के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बताया कि राज्यों को इस वर्ष 22.91 लाख रुपये दिए जाने हैं और यह राशि पिछले साल के मुकाबले 2.49 लाख करोड़ रुपये ज्यादा है। वित्त मंत्री ने रेखांकित किया कि कृषि, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, शिक्षा, रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य-सभी सेक्टरों पर आवंटन बढ़ा है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के समय इन सभी क्षेत्रों को दिए गए पैसों से तुलना करते हुए बताया कि मोदी सरकार में सामाजिक क्षेत्र और कल्याणकारी योजनाओं में खर्च बढ़ता ही जा रहा है।

'जिक्र न होने का मतलब भेदभाव नहीं'

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों को इस बार 1.52 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं।

यह पिछले साल के मुकाबले 8000 करोड़ रुपये अधिक है, जबकि संप्रग सरकार ने 2013-14 के बजट में कृषि को केवल 30,000 करोड़ रुपये दिए थे। वित्त मंत्री ने दोहराया कि बजट भाषण में किसी राज्य का जिक्र नहीं होने का यह मतलब नहीं होता कि उसे आवंटन नहीं किया गया। उन्होंने संप्रग सरकार की अवधि में दस सालों के दौरान पेश किए गए बजटों को याद करते हुए बताया कि एक बार 26 राज्यों के नाम नहीं लिए गए थे।

गौरतलब है कि विपक्ष ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने बजट में केवल बिहार और आंध्र प्रदेश पर ही ध्यान दिया है, क्योंकि उसके लिए जदयू और तेलुगु देसम पार्टी का समर्थन महत्वपूर्ण है और इन दलों को खुश करने की कोशिश की गई है।

भेदभाव के आरोपों को बताया बेबुनियाद

गैर भाजपा दलों के शासन वाले राज्यों के साथ सौतेले व्यवहार के आरोप को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि अतिरिक्त ऋण देने के मामले में भेदभाव की केरल सरकार की शिकायत पर सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र सरकार के पक्ष को सही ठहराते हुए कहा था कि केरल सरकार अपने आरोपों को साबित नहीं कर सकी।

देश निवेश के लिए सुरक्षित नहीं है: जयराम रमेश

रमेश ने कहा, वह अब यह सोचकर लाचारी जता रही हैं कि बोर्ड रूम में निवेश के फैसले मुख्य विपक्षी दल के शब्दों से तय होते हैं, न कि सत्ता में सरकार के कार्यों से। दरअसल विपक्ष पर हमला करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने और विदेशी निवेशकों को यह संदेश देने की साजिश रची जा रही है कि देश निवेश के लिए सुरक्षित नहीं है। देते हुए, सीतारमण ने कहा था, "भारत के सामाजिक ताने-बाने, संसदीय परंपराओं,

'निजी निवेश को रोकने के लिए कांग्रेज को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं'

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के निवेश वाले बयान पर कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'भारत में निजी निवेश, घरेलू और विदेशी जो भारत की आर्थिक वृद्धि को तेज करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, अभी भी बहुत सुस्त है और तेजी से बढ़ने से इनकार कर रहा है।' जयराम रमेश ने आगे कहा, यह कॉर्पोरेट टैक्स में भारी कटौती और गैर-जैविक प्रधान मंत्री और उनके चीयरलीडर्स और ढोल बजाने वालों की तरफ से आक्रामक पीआर के बावजूद है।

'निवेश के फैसले विपक्षी दल के शब्दों से तय होते हैं'

जयराम रमेश ने ये भी कहा, "अब वित्त मंत्री इस पहेली का जवाब लेकर आई हैं। कल लोकसभा में उन्होंने निजी निवेश को रोकने के लिए कांग्रेस के दुष्प्रचार को जिम्मेदार ठहराया।

'अग्निवीर योजना पर न हो राजनीति'

राज्यसभा में वित्त मंत्री का जवाब लोकसभा (लगभग पौने दो घंटे) में उनके संबोधन के मुकाबले करीब आधे घंटे लंबा था और. इसमें मुख्य रूप से आर्थिक सवालों के जवाब अधिक थे। वित्तीय घाटे पर विपक्षी नेताओं की चिंता का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार 2025-26 तक घाटे को 4.5 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य हासिल करने की राह पर है। सीतारमण के अनुसार बजट में विकास, रोजगार, कल्याणकारी खर्च, पूंजीगत निवेश और खजाने के प्रबंधन के बीच बेहतरीन संतुलन कायम किया गया है। संप्रग सरकार के दस सालों में पूंजीगत खर्च के लिए आवंटन 13.19 लाख करोड़ रुपये था, जबकि मोदी सरकार के दस वर्षों में यह 43.82 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि देश में आज 97 प्रतिशत मोबाइल फोन का निर्माण हो रहा है। यह मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में हमारी प्रगति को दशार्ता है। पिछले साल 30 प्रतिशत मोबाइल फोन निर्माण निर्यात के लिए था। वित्त मंत्री ने विपक्ष को यह नसीहत भी दी कि वह अग्निवीर योजना को लेकर कोई राजनीति न करे, क्योंकि यह योजना देश के सशस्त्र बलों को युवा बनाने के साथ ही युद्ध के लिए सदैव तैयार रखने के लिए लाई गई है। विपक्ष की ओर से इस योजना की आलोचना को पूरी तरह खारिज करते हुए सीतारमण ने कहा कि 17.5 से 21 वर्ष की आयु वाले युवाओं की सेना में नियुक्ति से देश को फिट सैनिक मिलेंगे। हमें इस योजना को लेकर अनावश्यक चिंता करने की जरूरत नहीं है। अग्निवीर वह योजना है, जिसे हम पूरी तरह सोच-समझकर लाए हैं।

1983 बैच की क्ष्अर अधिकारी प्रीति सूदन बनीं यूपीएससी की नई चेयरपर्सन

नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोद (वढरउ) ने अपने नए चेयरपर्सन के नाम की घोषणा कर दी है। 1983 बैच की क्ष्अर अधिकारी प्रीति सूदन (ढ१ीं३ र४ि्ल) को यूपीएसएसी का नया अध्यक्ष चुना गया है। वह 1 अगस्त से पदभार संभालेंगे। बता दें कि यूपीएससी के पूर्व चेयरमैन मनोज सोनी के इस्तीफा के देने के बाद से यह पद खाली पड़ा हुआ था।

कौन हैं प्रीति सूदन?

2022 से वढरउ की सदस्य रह चुकीं प्रीति ने पूर्व स्वास्थ्य सचिव का पद संभाला था। ट्रेनी क्ष्अर पूजा खेडकर विवाद सामने आने के बाद यूपीएसएससी के पूर्व चीफ महेश सोनी ने इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा देने का कारण उन्होंने निजी कारणों को बताया था।

29 अप्रैल, 2025 तक संभालेंगी पद

सरकार की ओर से 29 जुलाई को जारी किये गये आदेश में कहा गया है, ह्यराष्ट्रपति ने यूपीएससी की सदस्य प्रीति सूदन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है, जो एक अगस्त, 2024 से अगले आदेश तक या 29 अप्रैल, 2025 तक, जो भी पूर्व हो, यूपीएससी के अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगी।

त्रिपुरा में नहीं थम रही हिंसा

अगरतला

कांग्रेस की त्रिपुरा इकाई ने धलाई जिले के गंडाटविसा में एक छात्र की मौत और उसके बाद हुई हिंसा की घटनाओं की उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से न्यायिक जांच की मांग की है। बता दें कि 19 वर्षीय कॉलेज छात्र परमेश्वर रियांग 7 जुलाई को दो समूहों के बीच हुई झड़प में घायल हो गया था। 12 जुलाई को अस्पताल में उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उसकी मौत के बाद गंडाटविसा में दंगे और आगजनी हुई, जिससे कम से कम 40 परिवार बेघर हो गए। पार्टी के वरिष्ठ विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने संवाददाताओं को बताया कि मंगलवार को त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) की पांच सदस्यीय टीम ने गंडाटविसा में स्थिति का जायजा लेने के लिए परमेश्वर रियांग और अन्य हिंसा प्रभावित परिवारों के घर का दौरा किया।

माहौल हमारे पक्ष में है: सोनिया गांधी

नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी नेताओं से कहा कि कुछ ही महीनों में 4 राज्यों- महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने हैं। माहौल हमारे पक्ष में है। लोकसभा चुनाव में मिले जनता के समर्थन और भावनाओं को हमें बरकरार रखना है। सोनिया ने कहा- हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। मैं यह कह सकती हूं कि यदि हम लोकसभा चुनावों की तरह ही 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो राष्ट्रीय राजनीति में भी बड़ा बदलाव आएगा। सोनिया गांधी पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल (संविधान सदन) में

कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में बोल रही थीं। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत सभी सांसद मौजूद थे।

सोनिया गांधी के संबोधन की 5 बातें

हमें लगा था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सबक लेगी। लेकिन इसके बजाय वह समुदायों को बांटने और डर फैलाने की अपनी नीति पर कायम है।

बजट में किसानों और युवाओं की मांगों को नजरअंदाज कर दिया गया। कई महत्वपूर्ण सेक्टर के साथ बजट आवंटन में न्याय नहीं किया गया है। लोगों में निराशा है। केंद्र सरकार आत्मभ्रम में है। देश भर में करोड़ों परिवार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से तबाह हो रहे हैं। कांवड़ यात्रा के रास्ते में दुकानदारों के नाम लिखने के यूपी-उत्तराखंड सरकार के आदेश पर सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट ने सही समय पर हस्तक्षेप किया। यह केवल कुछ समय के लिए राहत हो सकती है। ब्यूरोक्रेसी को फ्रर के कार्यक्रमों में जाने की परमिशन देने के लिए अचानक नियमों को बदला जा रहा है।

वायनाड में लैंडस्लाइड से अब तक 243 मौतें, 240 लापता

शाह बोले- केरल को एक हफ्ते पहले अलर्ट किया था, राज्य सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया

वायनाड

वायनाड में सोमवार देर रात 2 बजे के बाद 4 घंटे के अंदर 4 लैंडस्लाइड हुईं। यहां मलबे में से डेडबॉडी निकालने का काम दूसरे दिन भी जारी है। केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 243 हो गई हैं। 130 लोग अस्पताल में हैं, जबकि 240 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। लैंडस्लाइड सोमवार देर रात 2 बजे और 4 बजे के करीब मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में हुई थीं। इनमें घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां बह गईं। आर्मी, एयरफोर्स, ठऊफ्र रऊफ्र पुलिस और डॉग स्क्वॉड की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। देर रात तक 1 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया, 3 हजार लोगों को राहत शिविर में भेजा गया है। मौसम विभाग ने वायनाड के अलावा मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में आज परेशानी हो सकती है। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में बताया- 23-24 जुलाई को ही केरल सरकार को अलर्ट किया गया था, सरकार समय रहते लोगों को हटाती तो इतना नुकसान नहीं होता।

सेना ने दो रिसॉर्ट से 19 टूरिस्ट को बचाया

सेना ने मुंडक्कई गांव के बाहर स्थित इला रिसॉर्ट और वाना रानी रिसॉर्ट में फंसे 19 टूरिस्ट को बुधवार को निकाला। ये घटना के बाद से यहीं फंसे हुए थे।

'वे जजों-सैनिकों और अधिकारियों की जातियां पूछते हैं', भाजपा का कांग्रेस से सवाल- जनगणना कैसे होगी

नई दिल्ली

सड़क से संसद तक विपक्ष द्वारा उठाई जा रही जातिगत जनगणना की मांग के बीच भाजपा सांसद द्वारा राहुल गांधी की जाति पूछ लिए जाने से कांग्रेस आक्रोशित है। दूसरी ओर भाजपा की ओर से प्रतिप्रश्न किए गए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि जो व्यक्ति हिन्दुस्तान में सबकी जाति पूछ सकता है, उसकी जाति पूछने में क्या गड़बड़ी है साथ ही पूछा कि यदि जाति पूछना अपमान है तो वह जातिगत जनगणना कैसे कराएंगे

बिना नाम लिए बात कही तो एक को ही बुरा क्यों लगा

भाजपा मुख्यालय में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में संबित पात्रा ने कहा कि जब से 18वीं लोकसभा शुरू हुई है, तब से 99 की संख्या और अहंकार का खेल दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी का व्यवहार और उसके कारण उनकी पार्टी के सदस्यों का व्यवहार अक्षम्य है।

उन्होंने कहा कि मंगलवार को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने जब अपना विषय रखा तो किसी का नाम नहीं लिया और कहा कि जिसकी जाति का पता नहीं, वह गणना की बात कर रहे हैं तो एक ही व्यक्ति को बुरा लगा, जबकि सदन में 543 सदस्य हैं।

'वे अधिकारियों की पूछते हैं जाति'

भाजपा प्रवक्ता ने कहा पिछले दिनों राहुल गांधी पत्रकारों से जाति पूछ रहे थे। प्रशासनिक अधिकारियों की जाति पूछी जा सकती है कि हलवा समारोह में किस-किस जाति के अधिकारी हैं। पात्रा ने आरोप लगाया कि वे जजों-सैनिकों की जातियां भी पूछते हैं और कहते हैं कि देश को जानने का अधिकार है कि किस जाति के लोग सर्वाधिक सैनिक के रूप में हैं।

तख्तियां लहराईं, पर्चे फाड़े और हंगामा किया.. संसद में जाति पर घमासान

नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जाति पूछने के मुद्दे पर बुधवार को लोकसभा में जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्यों ने आसन के सामने आकर नारेबाजी की। तख्तियां लहराईं और पर्चे फाड़े, जिसके बाद स्पीकर ओम बिरला को लगभग आधा घंटा के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी पर अनुराग ठाकुर के दिए गए बयान का मजबूती से बचाव किया। विपक्ष के हंगामे के बीच ही संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस पर अराजकता भड़काने का आरोप लगाया। लोकसभा की कार्यवाही सुबह में जैसे ही शुरू हुई, वैसे ही विपक्षी सदस्य वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्ष के हंगामे और भारी शोर-गुल के बावजूद स्पीकर ने प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रखी। इस दौरान राहुल गांधी सदन में नहीं थे। कांग्रेस सदस्य गौरव गोगोई समेत विपक्ष के कई सदस्यों के हाथों में 'वी वांट कास्ट सेंसस' के पोस्टर देखे गए, जिसे स्पीकर के टोकने के बावजूद सदन के बीच लहराया जा रहा था।

भारतीय संविधान के पहले संस्करण की कॉपी हुई नीलाम

नई दिल्ली

प्राचीन वस्तुओं, पुस्तकें आदि की नीलामी करने वाली कंपनी, सैफ्रनआर्ट के ह्यपैसेज टू इंडिया ऑक्शन 2024ह्व में भारत की समृद्ध विरासत के प्रति आकर्षण देखने को मिला। भारत के संविधान का पहला संस्करण जिसे कला के बजाय वास्तुकला का काम माना जाता है, हाल ही में एक नीलामी में 48 लाख रुपये में बेचा गया, जो अब तक की इसकी सबसे ऊंची कीमत है। इसे डॉ. भीमराव अंबेडकर ने लिखा था।

ये पुस्तक, देहरादून में भारतीय सर्वेक्षण कार्यालयों की तरफ से बनाई गई और 1950 में केंद्र की तरफ से प्रकाशित केवल 1,000 प्रतियों में से एक है।

इसमें निर्माताओं के हस्ताक्षर भी शामिल हैं। यह फोटोलिथोग्राफिक प्रति - जिसका ब्लू प्रिंट भारत की संसद के पुस्तकालय में में रखा गया है।

संघ और सरकार के बीच कम हो रहे फासले

गृह मंत्रालय के कदम पर संघ नए प्रचारक भेजने को तैयार

गृह मंत्रालय की साइट पर हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद भाजपा, सरकार और संघ के बीच दूरी कम करने की कवायद तेज हो गई है। सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर दशकों पुराने प्रतिबंध को हटाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कार्मिक विभाग के इस आदेश को अपनी वेबसाइट के होम पेज पर लगाने का फैसला किया है।

गृह मंत्रालय की ओर जारी निर्देश के अनुसार, इसका उद्देश्य अधिक-से-अधिक लोगों को सरकार के इस फैसले से अवगत कराना है। दूसरी ओर आरएसएस भी भाजपा में संगठन मंत्रियों की कमी को दूर करने के लिए नए प्रचारक भेजने को तैयार है।

गृह मंत्रालय की साइट पर हाईकोर्ट का फैसला

सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर लगे प्रतिबंध को हटाने के फैसले को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में इससे संबंधित दाखिल याचिका से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन गृह मंत्रालय ने फैसले को वेबसाइट के पहले पेज पर लगाने को सीधे तौर पर संघ के साथ संबंधों को बेहतर बनाने से जोड़कर देखा जा रहा है।

माना जा रहा है कि गृह मंत्रालय के बाद अन्य मंत्रालय भी अपनी वेबसाइट पर कार्मिक मंत्रालय के आदेश को लगाने का फैसला ले सकते हैं। सरकार के इस फैसले से 100वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे आरएसएस को अपने सामाजिक कार्यों की स्वीकार्यता बढ़ाने और अपनी गतिविधियों का दायरा बड़ा करने में मदद मिल सकती है।

भाजपा और आरएसएस के बीच बेहतर समन्वय का अंदाजा कई सालों बाद संगठन मंत्रियों को भेजे जाने की तैयारी भी लगाया जा सकता है। दरअसल, भाजपा में संगठन मंत्री आरएसएस द्वारा भेजे जाते हैं, जो जमीनी स्तर पर कार्यकताओं और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय का काम करते हैं।

आकाशीय बिजली से धान की रोपाई कर रहे युवक की मौत , 6 घायल

अखंड भारत संदेश

कोरांव। क्षेत्र में गुरुवार को दोपहर में भयावह उमस भरी गर्मी के बीच अचानक मौसम ने अपना मिजाज बदला और तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने लगी। क्षेत्र के तमाम स्थानों पर गिरी आकाशीय बिजली से एक ओर जहां धान की रोपाई कर रहे देवघाट निवासी अमृत लाल निषाद (36 वर्ष) पुत्र उदयभान की घटना स्थल पर ही मौत हो गई वहीं दूसरी ओर बिरहा समेत चांदी गांव में धान की रोपाई कर रहीं आधा दर्जन महिलाएं वज्रपात से झुलसकर घायल हो गई। आकाशीय बिजली से हुए घायलों में बिरहा निवासिनी अंशू द्विवेदी पुत्री राजेश्वरी द्विवेदी के अलावा चांदी गांव निवासिनी श्याम कुमारी (40) पत्नी रमा दत्त , विद्यावती (37) पत्नी रणविजय , राजकली (40) पत्नी सत्यदेव , राजकुमारी (40) पत्नी सुग्रीव प्रसाद व विमलेश देवी (40) पत्नी राम कृष्ण रहीं। सभी घायलों को आनन फानन में सीएचसी कोरांव पहुंचाया गया जहां

सभी घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव में चल रहा उपचार,सभी घायल हैं कृषक मजदूर महिलाएं

पर उनका इलाज चल रहा है। ज्ञात हो कि वज्रपात से मृत अमृत लाल एक बेटी व दो बेटों का पिता था जिसमें पुत्री का विवाह कर चुका था और बेटे अभी मासूम हैं। फिलहाल सूचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस ने अमृत लाल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। घटना को लेकर एक ओर जहां मृतक के परिजनों में कोहराम मचा रहा और लोग दहाड़े मार रोते बिलखते रहे वहीं सीएचसी कोरांव पर उपचार हेतु उपस्थित वज्रपात से घायल हुई महिलाओं को देखने वालों की भारी भीड़ जुटी रही। फिलहाल देखा जा रहा है कि इस वक्त आसमान से पानी गिरने के पहले आकाशीय बिजली गिर रही है जिससे लोग काल के गाल में समा जा रहें हैं।

वैन की टक्कर होने पर बाइक सवार युवक की मौत, साथी घायल

मऊआइमा। मऊआइमा के दीनापुर उर्फ भदरपुर (बोमापुर)गांव के सामने वैन और बाइक में जोरदार टक्कर होने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया उसे एस आर एन में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहरिया थाना क्षेत्र के शाहजी की तकिया जुगनीडीह निवासी शादाब अहमद 25 वर्ष पुत्र निसार अहमद अपने साथी अरविंद कुमार 24,वर्ष पुत्र राकेश कुमार निवासी जलालपुर हुसैनपुर के साथ बाइक से सिसई की तरफ जा रहा था।

बताया जाता है कि बोमापुर गांव के सामने वैन और बाइक में टक्कर हो गई। आमने-सामने टक्कर होने से बाइक सवार शादाब अहमद 25 वर्ष तथा अरविंद बुरी तरह जख्मी हो गए। जिन्हें एंबुलेंस से बहरिया सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने शादाब को मृत घोषित कर दिया। वहीं अरविंद की हालत गंभीर होने पर उसकी इलाज के लिए स्वरुप रानी अस्पताल भेजा गया । बहरिया पुलिस ने मृतक शादाब का शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया है कि घटनास्थल मऊआइमा थाना क्षेत्र होने से मृतक के परिजनों को मऊआइमा थाना एफ आई आर के लिए भेजा गया है।

बिमारी से तंग आकर युवक ने की खुदखुशी, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल

मांडा। क्षेत्र के एक युवक ने बिमारी से तंग आकर दरवाजे पर लगा आम के पेड़ में फांसी लगा कर आत्म हत्या कर ली। परिजनों को जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। बता दें कि मांडा थाना क्षेत्र के आहोपुर नेवड़िया निवासी नरेंद्र शुक्ला बिमारी से तंग आकर घर के दरवाजे पर आम के पेड़ में फासी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया' वहीं पत्नी रेखा शुक्ला बेशुद हों गई मृतक नरेंद्र शुक्ला के बेटी श्रेया शुक्ला, अंजली शुक्ला, बेटा आयुक्त का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

मऊआइमा के हरिसेनगंज में व्यापार संघ मंडल का हुआ गठन

मऊआइमा। मऊआइमा के हरिसेनगंज में व्यापार संघ मंडल का गठन किया गया । जिसमें सर्वसम्मति से शिव जी साहू अध्यक्ष, राकेश पटेल , अर्पित जयसवाल उपाध्यक्ष , धर्मेंद्र कुमार महामंत्री, अमृत लाल गुप्ता कोषाध्यक्ष, राम बाबू मोदनवाल संयुक्त मंत्री , डिक्की रावत , राहुल केसरवानी, शिव बाबू केसरवानी , गुलाब केसरवानी को मंत्री ,शिव कुमार केसरवानी , अजय उर्फ मुन्ना सोनी , दिलीप केसरवानी सुनील पटेल को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया । सभी नवनियुक्त पदाधिकारी ने पूरी ईमानदारी से काम करने का शपथ लिए । उसके बाद व्यापारियों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया । इस अवस पर सुरेश कौशल, शिवरत्न केसरवानी , ओम प्रकाश पटेल, राजा राम मौर्य , सुरेश मौर्य, सन्तोष पटेल, राम चन्द्र ,पवन केसरवानी , बृजेंद्र कुमार आदि व्यापारी मौजूद रहे।

पत्नी के विवाद में अधेड़ ने लगाई फांसी मौत

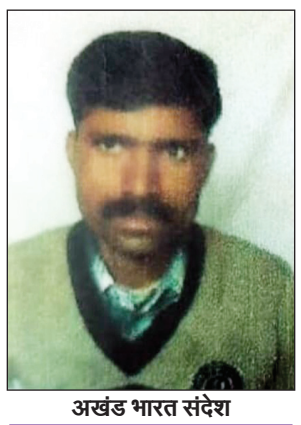

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के बरेठी गांव में एक अधेड़ ने कई वर्षों से चल रहे पत्नी के विवाद में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची उतरांव पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। अधेड़ की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। बरेठी थाना उतरांव निवासी मोहम्मद लतीफ पुत्र मोहम्मद माशूक उम्र 42 वर्ष जो बरेठी बाजार में ठेले पर फल बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बुधवार देर शाम को लतीफ ने अपने कमरे में चादर का फंदा बनाकर पंखे में लटक कर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। वहीं आसपास के लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक लतीफ का पत्नी जुबेदा से ढाई वर्षो से विवाद चल रहा था। वहीं पत्नी अपनी मायके पराशिनपुर सुदनीपुर थाना फूलपुर में रहती है। फल विक्रेता लतीफ पांच भाइयों में चौथे नंबर पर था।मृतक के दो बेटे व एक बेटी है। अधेड़ की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

फांसी के फंदे से लटक कर युवक ने दे दी जान

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के मुगरसन गांव में एक युवक ने गमछा को फांसी का फंन्दा बनाकर छत में लगे चूल्ले से लटक गया जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मुगरसन थाना उतरांव निवासी अशोक पुत्र राजेंद्र प्रसाद वर्मा उम्र 35 वर्ष जो राजगिरी का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। गुरुवार को वह अपने कमरे में गमछा को फांसी का फंदा बनाया और छत पर लगे चूल्ले पर लटक गया उसकी मौत हो गई। कुछ देर बाद उसकी भाभी ने खिड़की से देखा तो उसके होश उड़ गए। शोर मचा ग्रामीण इकट्ठा हुए सूचना पर उतरांव पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें पैसे की लेनदेन का विवाद छीबैया थाना झूंसी निवासी एक युवा के को बताया है तथा इस कारण से मजबूरन फांसी के फंदे पर लटकने की बात लिखी है। मृतक युवक के दो बच्चे एक बेटा व एक बेटी है। मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था। अशोक की मौत से पत्नी मनीषा देवी तथा माता कर्मा देवी समेत परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।पुलिस हर पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। थाना अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है पीएम के बाद मामला सामने आता है तो कार्रवाई की जाएगी।

मेजारोड चौकी क्षेत्र में है चोरों का बोलबाला

अखंड भारत संदेश

मेजा। क्षेत्र में इन दिनों बेखौफ चोरों का बोलबाला है। आए दिन हो रही चोरी की वारदातें आम जनमानस के लिए सिर दर्द बनकर रह गई है। चोर वारदात को अंजाम दे रहे हैं किंतु मेजरोड़ चौकी पुलिस लूट खसोट में मस्त है। परिणाम स्वरूप पुलिसिया कार्यशैली को लेकर स्थानीय व्यापारी के साथ साथ हर कोई खफा है। उल्लेखनीय है कि मेजारोड चौकी पुलिस की कार्यशैली का आलम यह है कि चौकी में न्याय की उम्मीद लेकर आने वाले पीड़ितों के साथ न्याय करने के बजाय खाकी की आड़ में उन्हीं से खुलेआम लूट खसोट करने वाली पुलिस पूर्व में हुई एक भी चोरी का आज तक खुलासा करने में अक्षम रही है। जिसके कारण चोरों का हौसला इन दिनों काफी बुलंद है। बता दें कि शीलशीले बार हो रही चोरी की घटनाओं में लखनपुर गांव निवासी अलोक मनी त्रिपाठी पुत्र देवेंद्र नाथ

लखनपुर स्थित आरोही इंटरप्राइजेज इलेक्ट्रानिक दुकान के शटर का ताला तोड़ बेखौफ चोरों ने दस हजार नकदी के साथ की तीन लाख के कीमती सामानों की चोरी घटना सीसीटीवी में कैद, क्षेत्ररक्षण में नाकाम चौकी पुलिस की कार्यप्रणाणी से स्थानीय लोगों में है भारी आक्रोश

उर्फ मनी त्रिपाठी की गांव में ही स्थित प्रयागराज - मिजार्पुर राजमार्ग पर आरोही इंटरप्राइजेज नामक इलेक्ट्रानिक दुकान में बुधवार की रात हुई चोरी इसका ज्वलंत उदाहरण है। गौरतलब है कि रोजाना की तरह उक्त दुकान संचालक बुधवार रात दुकान बंद कर घर चले गए। इस दौरान देर रात्रि बेखौफ चोर स्विफ्ट डिजायर कार से दुकान पर पहुचें और दुकान के शटर का ताला तोड़ चोर आराम से अंदर दाखिल हो जाते हैं तथा दुकान के अंदर रखा दो इन्वर्टर एवं चार पहिया वाहन की कई बैटरी, इंडक्शन,पंखा,स्पीकर,वायर,लैपटॉप, यूपीएस सहित तकरीबन तीन लाख का कीमती इलेक्ट्रानिक सामान और काउंटर में रखा दस हजार रुपया नकदी लूट कर बड़े आराम से सारा सामान उक्त गाड़ी में लादकर फुर्र हो जाते हैं। किंतु रात में गस्त करने के बजाय ट्रक चालकों से अवैध वसूली करने में व्यस्त चौकी पुलिस को भनक भी नहीं लगती है लेकिन पूरी वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाती है। सुबह भुक्तभोगी दुकान पहुंचा और टूटा हुआ शटर देखा तो होश उड़ गए। जानकारी पर स्थानीय लोगो में भी हड़कंप मच गया। तत्पश्चात भुक्तभोगी ने मेजा कोतवाली में लिखित तहरीर देकर कार्यवाही के साथ साथ उक्त वारदात का खुलासा करने और चोरी से लूटे गए सामानों को अविलंब बरामद किए जाने की गुहार लगाई है।

नीबी से धारा 302 के मुल्जिम को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बारा। यमुनानगर के बारा थाने की पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी क्षेत्र के नीबी में निमार्णाधीन पेट्रोलपंप के पास से की गई है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि धारा 302, 307, 506, 34, 120बी के मामले में आशीष दुबे पुत्र विजयशंकर दुबे (निवासी ग्राम बरगढ़, थाना बरगढ़, चित्रकूट) और आदित्य पांडेय पुत्र दयाशंकर पांडेय (निवासी ग्राम बवंधर, थाना जवा, रीवा) वांछित चल रहे थे। गुरुवार को सटीक मुखबिरी पर दोनों को क्षेत्र के नीबी में निमार्णाधीन पेट्रोल पंप के पास गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए दोनों का चालान भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई रामाश्रय यादव, अरविंद कुमार, शुभम पिपरैया, एचसीपी देवेंद्र सिंह, सूबेदार राम शामिल रहे।

सभावित प्रलयंकारी बाढ़ के रडार पर हैं सैकड़ों गांव

अखंड भारत संदेश

कोरांव। कोरांव मेजा इलाके में वर्ष 1994 में आई प्रलयंकारी बाढ़ से जमीदोज हो चुके सैकड़ों घर द्वार और अपूर्णनीय क्षति से काफी समय तक संभल नहीं पाए लोग शायद अब भूल गए कि बांधों में ओवर जल भंडारण से मजबूरन बेलन नदी में छोड़े गए पानी और निरंतर वर्षा से नदियां अवरोधक के रूप में घाटों बीहड़ों नालों ने भी जवाब दे दिया था,जिससे बेलन नदी के किनारे के सैकणों गांव जलमग्न हो गए थे और भारी तबाही देखी गई कई जानें गईं संपत्ति सरकारी रही हो या व्यक्तिगत भारी नष्ट हुआ था,परंतु उक्त नदियों के किसानों ने उक्त दर्द को दरकिनार करके कृषि कार्य के लिए पूरी भौगोलिक रूप रेखा ही बदलते जा रहे जिससे भविष्य उज्ज्वल नहीं दिख रहा। उल्लेखनीय है कि जनपद प्रयागराज के यमुनापार में प्रकृति द्वारा

बेलन सेवती टुंडियारी नदियों के बाढ़ रोधक घाटों को अवैध खनन से कराया जा रहा समतलीकरण, नदियों की चौड़ाई निरंतर घट रही, हो रही खेती,बाढ़ से गांवों को जल की तेज धाराएं कर देंगी जमीदोज

स्थापित बेलन नदी, उससे संबध टूडीयारी और सेवती नदी जिनके भू लेख और मैप चित्र में जितनी चौड़ाई है जितना अभिलेखों में क्षेत्रफल है उसके सापेक्ष किसानों ने अवैध अतिक्रमण कर के जेसीबी मशीनों और ट्रैक्टर से बाढ़ के पानी को रोकने वाले कुदरती घाटों को बिल्कुल समतली करण कर दिया है। जिससे भविष्य में आने वाले बाढ़ और निरंतर वर्षा से डैमो के तट बंध जल ओवर हो जाने पर मजबूरन सरकार और विभागीय अधिकारियों के आदेश पर फाटकों के खोले जाने पर वर्ष 1994 की तरह प्रलयंकारी बाढ़ से हुई तबाही की पुनरावृत्ति हो सकती है। फिलहाल उस समय नदी के किनारे किनारे के घाटों को समतल नहीं किया गया था। तब भी पूरे पक्की सड़कें उखड़ कर कुवा की तरह हो गई थीं, खजुरी, पंचवह, माडो, गलदहवा, बासंघाट, देवघाट, भोगन, जमुआ, अमिलिया सहित कई दर्जन गांव के कई घर नदी बॉर्डर वाले जमीदोज हो गए थे। और सैकड़ों के घर वर्षा और पानी की धार से गिर गए थे और कुछ बह गए थे। किसानों के मवेशी,ट्रैक्टर्स, मशीनें,वाहन आदि संपत्तियां सुदूर गांवों के निकट बह गए थे। और काफी बच्चे महिलाएं वृद्ध मौत के घाट चले गए थे। बाढ़ का नजारा ऐसा था कि पीडब्ल्यूडी का डाक बंगला देवघाट का पूरा बह गया था और उसकी छत और वस्तुएं पन्द्रह किलो मीटर दूर बह गया था। भारी तबाही हुई थी। किंतु उक्त नदियों के किनारे भौगोलिक क्षति अवैध खनन अवैध कटानो समतली करणों से साथ ही अवैध अतिक्रमण से नदी के समांतर घाटों के सफाए से पिछली घटनाओं से दो गुना प्रलयंकारी बाढ़ और तबाही की घटना उसकी पुनरावृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस लिए राजस्व, भूगोल,बाढ़ नियंत्रण विभाग,स्थानीय प्रशासन को नदियों के भौगोलिक प्राकृतिक स्तित्व और मानवीय जान माल की असुरक्षा व क्षति को ध्यान में रखते हुए एक जांच दल आवश्यक कार्यवाही के लिए गठित किया जाना चाहिए और अवैध ढंग से नदी नालों बांधों नदी घाटियों की अभिलेखों के अनुसार अवैध कब्जे हटवाए जाएं और नदी नालों की भूमि को कब्जा मुक्त कराया जाए,अन्यथा आने वाला दिन क्षेत्र वासीयों के लिए शुभ संकेत नहीं दे रहा।

यदि सरकार स्थानीय प्रशासन ने नदी,नालों,कब्जा मुक्त नहीं कराया,भू अभिलेखों और मानचित्रों के अनुसार नदियों नालों की जमीनें अतिक्रमण मुक्त नहीं कराई जाती नदियों। के घाटों की भौगोलिक स्थितियों नवाइयतों के बदलने का क्रम नहीं रोका ,हरे भरे बाग बगीचे के कटानो को नहीं रोका गया तो निश्चय ही भविष्य में यदि एक सप्ताह या दो दिन निरंतर बरसात हुई डैम का पानी ओवर हुआ और फाटक खुला तो जानिए बेलन नदी के किनारे किनारे वाले गांव,और उक्त नदी से लिंक छोटी नदियां तथा नाले दर्जनों गांवों को अपनी आगोश में ले लेंगे। प्रदेश सरकार और जन प्रतिनिधियों से भी उक्त समस्या समाधान और सुरक्षा हेतु ध्यान आकृष्ट कर रहा हूं।

अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे

सोशल ऐक्टिविष्ट पर्यावरण प्रेमी ग्राम प्रधान लीडर्स कोरांव प्रयागराज।

न्यूज झरोखा

मेजरोड में फिजियोथिरेपी अस्पताल खुलने से मरीजों को मिलेगी सहूलियत : डा. ओझा

मेजा। मेजारोड बाजार में गुरुवार को डॉ एलएस ओझा ने बतौर मुख्य अतिथि फिजियोथैरेपी अस्पताल का फीता काटकर लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डा ओझा ने कहा कि मेजारोड में फिजियोथैरेपी अस्पताल खुलने से आम लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख मेजा मुन्नन शुक्ला ने कहा कि मेजारोड में इस अस्पताल के संचालन से क्षेत्र के लोगों को शहर का चक्कर लगाना नहीं पड़ेगा। अस्पताल के डॉ प्रांशु मिश्रा के अनुसार एक अगस्त से लेकर 10 अगस्त तक आने वाले सभी मरीजों का निःशुल्क फिजियोथैरेपी एवं दवा किया जाएगा।

बार एसोसिएशन की बैठक में हड़ताल पर की गई चर्चा

करछना। बृहस्पतिवार को तहसील सभागार में बार एसोसिएशन करछना की बैठक अध्यक्ष चिंतामणि शुक्ला और महामंत्री हंसराज सिंह के नेतृत्व में की गई। इस बैठक में अधिवक्ताओं ने एसडीएम कोर्ट, तहसीलदार कोर्ट,नायब नैनी मध्य पनाशा और मध्य कोर्ट में मुकदमों का समय से निस्तारण न होने को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई। जिसमें यह निर्णय लिया गया कि अगर दो दिन के अंदर आदेश में सुरक्षित फाइलों का एसडीएम जागृति अवस्थी और तहसीलदार रवि प्रकाश सिंह के द्वारा आदेश में सुरक्षित मुकदमों का निस्तारण कर दिया जाता है तो सोमवार से कोर्ट पूर्व की भांति चलेगी। अन्यथा आगे हड़ताल को लेकर निर्णय सोमवार को पुनः बैठक में किया जाएगा। इस दौरान बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, संयुक्त मंत्री यूपी सिंह सहित अधिवक्ता डीआर सिंह, रमेश चंद्र द्विवेदी,राकेश शुक्ला, हेमराज, राकेश यादव, अनुराग द्विवेदी, विनीत मिश्रा, अवधेश पांडे, ज्ञान सिंह, कुलदीप मिश्रा, लक्ष्मी द्विवेदी, कृष्णराज सिंह, एमपी सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

बोल बम के जयकारे से गूंजा धनऊपुर, बैजनाथ धाम किया प्रस्थान

जंघई। पवित्र सावन मास में गुरुवार को धनऊपुर, भानीपुर से कांवरियों का दल बाबा वैद्यनाथ के दर्शन जलाभिषेक के लिए गाजे बाजे ढोल नगाड़ों के साथ से प्रस्थान किया। आस्था एवं श्रद्धा के सावन महिने में कावरियों द्वारा सर्व प्रथम सुल्तानगंज से गंगा स्नान के बाद बाबा का जलाभिषेक करने के लिए कांवर उठाकर बाबा बैजनाथ का जलाभिषेक कर दर्शन करेंगे। बाबा बासुकीनाथ राजगीर में दर्शन पूजन करने के पश्चात, वापसी में बाबा विश्वनाथ वाराणसी में जलाभिषेक कर-के घर आयेंगे।घर पर विधि विधान व मंत्रोच्चार के साथ पूजन करते हुए हर हर महादेव के गगनभेदी नारों के साथ बड़ों का आशीर्वाद लेते हुए, बाबा बूढ़े नाथ मंदिर में पूजन अर्चन करते हुए भगवा मय कांवरिया काफी उत्साह व जोश के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम प्रस्थान किया। कांवरियों में दिलीप मिश्रा, दीपक मिश्रा, शुभम मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, प्रदीप तिवारी, सूरज तिवारी, पवन राजा, राजन प्रजापति, आकाश दुबे, विकाश दुबे, इंदल यादव, रमेश तिवारी आदि लोग शामिल रहे।

कालू महादेव, नर्मदेश्वर महादेव खखैचा मंदिर में कांवरियों द्वारा जलाभिषेक

जंघई। शिव शक्ति कांवरिया संघ खखैचा के कांवरिया सावन शिवरात्रि के अवसर पर कालू महादेव, नर्मदेश्वर बाबुलनाथ महादेव मंदिर गहरपुर, खखैचा में जलाभिषेक करने के लिए गाजे बाजे के साथ नाचते गाते हुए कांवर लेने हेतु प्रयागराज प्रस्थान किया। दशाश्वमेध घाट प्रयागराज पर गंगा स्नान पूजन अर्चन करने के बाद गंगाजल लेकर कांवर पद यात्रा शुरू होगी शिवरात्रि तेरस की मध्य रात्रि से भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। कांवरियों ने पूजन अर्चन करते हुए बड़ों का आशीर्वाद स्नेह लेकर प्रयागराज प्रस्थान किया इस दौरान हर हर महादेव, बोल बम से खखैचा गांव गुंजायमान हो उठा। शक्ति ठाकुर ने मुकेश त्रिपाठी म्यूजिकल ग्रुप की तरफ से कांवर यात्रा निकाली जिसमें शिवम मिश्रा, सूर्यम मिश्रा, अर्पित मिश्रा, बालाजी, विपुल शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

शिवसेना प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने हाईकोर्ट के फैसले का किया स्वागत

मेजा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले का शिवसेना उत्तर प्रदेश की प्रदेश सचिव श्रीमती रुचि तिवारी ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक एवं निष्पक्ष है। उन्होंने कहा कि कोर्ट में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने अपने रिजर्व जजमेंट से यह तय हो गया था कि हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनवाई योग्य हैं। फिलहाल शिवसेना प्रदेश सचिव श्रीमती तिवारी ने हाईकोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए स्वागत किया है।

डेढ़ घंटे की बारिश में शहर का बड़ा हिस्सा बना तालाब, हर तरफ जलभराव, घरों में घुसा पानी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। करीब डेढ़ घंटे तक हुई तेज बारिश में नाला और सीवर लाइन की सफाई के नगर निगम प्रशासन के सारे दावे फेल हो गए। बुधवार को बारिश से शहर के ज्यादातर हिस्से जलमग्न हो गए। सड़कों पर कमर तक पानी भर गया। घरों के साथ थाना, कॉलेज, अस्पताल परिसर में भी जलभराव हो गया। इसकी वजह से आवागमन के साथ ज्यादातर गतिविधियां ठप हो गईं। हर बार की तरह मेडिकल कॉलेज चौराहा स्थित सीवर लाइन का ढक्कन फव्वारे में तब्दील हो गया। जार्जटाउन की सभी सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। लिंडिल रोड पर तीन कारें चलते-चलते बंद हो गई। कार सवार गाड़ी खड़ी कर-के किसी तरह से निकल पाए।

सीएमपी डिग्री कॉलेज और जार्जटाउन थाने में पानी भर गया। लोग जहां थे, वहीं फंसे रहे। चौक और घंटाघर की सड़क पर भी पानी भर गया। दुकानों में पानी घुसने से सामान तैरने लगे। दुकानदार गुलाब का कहना था कि नाला जाम होने से पानी नहीं निकल रहा।

अल्लापुर के डंडियां, तुलसी पार्क, पटेल चौराहा समेत कई जगहों पर सड़कों पर जलभराव हो गया। पटेल चौराहा स्थित घरों से चार बजे के बाद कुछ पानी कम हुआ लेकिन सड़कों पर पानी भरा रहा। बजरंग चौराहा, पानी की टंकी, बैंक रोड, सर्वोदय नगर आदि क्षेत्रों में यही दिक्कत रही । राजेश सिन्हा, मंजुषा और ईशान तिवारी ने बताया कि नाला सफाई के लिए तोड़ी गई पुलिया ठीक नहीं कराई गई। बजरंग चौराहा, पूरा पड़ाइन, पंजाबी कॉलोनी में सड़कें तालाब में तब्दील हो गई और लोगों के घरों में पानी घुस गया।

राजरूपपुर के जाफरी कॉलोनी की तो स्थिति बहुत खराब रही। सड़कों पर आधा मंजिल तक पानी भर गया। इसकी वजह से लोग घरों में कैद हो रहे। पार्षद मिथिलेश सिंह का कहना है सड़क और नालियों के निर्माण के लिए कई बार कहा गया लेकिन सुनवाई नहीं हुई। करेली के गड्ढा कॉलोनी, जेके आशियाना नगर में भी यही दशा रही। तेलियरगंज की पार्षद मीना तिवारी का कहना था कि नालों को खोदकर छोड़ देने से यह स्थिति बनी है।

नारायणी आश्रम अस्पताल में भरा पानी : नारायणी आश्रम अस्पताल में काउंटर, वार्ड में पानी भर गया। इस वजह से गंभीर मरीजों को प्रथम तल पर शिफ्ट करना पड़ा। अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि 25 साल से काम कर रहे हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। वहीं, पार्षद मीना तिवारी का कहना है कि नाला के निर्माण के लिए कई बार लिखा गया। नगर आयुक्त से बात की गई लेकिन सब कुछ टलता रहा।

बालसन चौराहा स्थित नाला फिर ओवरफ्लो : बालसन चौराहा के पास थार्नहिल रोड से आने वाला नाला बुधवार को बारिश में ओवरफ्लो करने लगा। पिछले वर्ष ही चौराहे की सड़क को तोड़कर नाले का निर्माण कराने के साथ सफाई कराई गई थी। नाला ओवरफ्लो होने से थार्नहिल एवं लाउदर रोड पर गंदा पानी बहने लगा। बाबाजी के बाग की बस्ती जलमग्न हो गई। सेंट एंथोनी स्कूल की छात्राओं और अभिभावकों को सड़क पार करने में दिक्कत हुई।

मोरी गेट से बैक होने लगा था पानी : जल निकासी की यह स्थिति रही कि मोरी नाला से पानी बैक होने लगा। शुरू में गेट नहीं खुलने से स्थिति और बिगड़ गई। ऐसे में अल्लापुर,सोहबतिया बाग,अलोपी बाग समेत बड़े इलाके जलभराव के साथ पानी काफी देर तक रुका रहा। मोरी गेट को खोलने के बाद बहाव कुछ तेज हुआ। पार्षद शिवसेवक सिंह का कहना था कि मोरी गेट के सभी पंप भी बंद थे। वहीं, जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव का कहना है कि एक लेवल के बाद गेट खोला जाता है। पानी बढ़ने पर उसे खोल दिया गया। पंप भी एक लेवल के बाद चलाया जाता है। अभी ऐसी स्थिति नहीं थी, इसलिए पंप नहीं चलाए गए।

सीवर लाइन, नालों की सफाई पर करोड़ों खर्च : सीवर लाइन और नालों की सफाई के लिए छह करोड़ रुपये से अधिक खर्च का प्रावधान किया गया है। इसमें बड़ी राशि खर्च भी हो चुकी है। सीवर लाइन की सफाई के लिए तो रोबोट भी मंगाए गए हैं लेकिन सारी कवायद धरी रह गई। ऐसे में पूरी सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़ा हो गया है।

चेताने के बाद भी नहीं जागीं सड़क एवं नाली निर्माण करने वाली संस्थाएं : निर्माण कार्यों के लिए शहर के कई प्रमुख मार्ग खोद दिए गए हैं। नालियां ध्वस्त हो चुकी हैं। सीवर एवं नालों की ठीक से सफाई नहीं कराई गई। इसे लेकर बार-बार चेताया गया। महापौर ने भी कार्यदायी संस्थाओं को पत्र लिखा लेकिन कुछ नहीं हुआ। मंडलायुक्त से लेकर नगर आयुक्त निर्देश देते रहे और शहर तालाब बन गया। सीवर लाइन और नालों की सफाई जुलाई के पहले सप्ताह तक नहीं हो पाई थी। इसे लेकर अमर उजाला में प्रमुखता से खबर छापी गई। इसके बाद महापौर गणेश केसरवानी, नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग समेत अन्य अफसरों ने खुद खड़े होकर सफाई कराई लेकिन आननफानन सफाई का नतीजा अब सामने है।

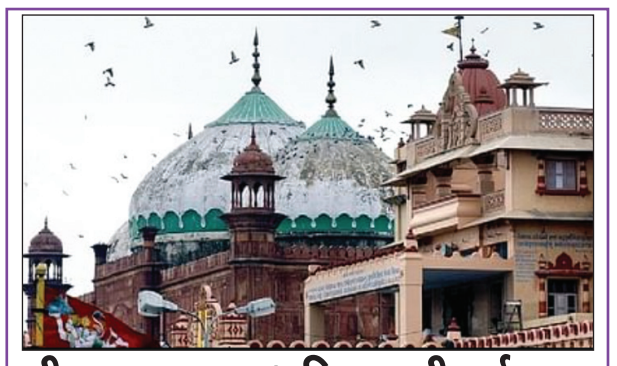

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद : हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, मंदिर के पक्ष में आया फैसला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को सुनवाई योग्य माना है। कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन के स्वामित्व को लेकर हिंदू पक्षकारों की ओर से दाखिल सभी 15 सिविल वादों को पोषणीय मानते हुए मुस्लिम पक्ष की पांचों आपत्तियां खारिज कर दीं। हाईकोर्ट अब 12 अगस्त से सभी मुकदमों का एकसाथ ट्रायल शुरू करेगा। ईदगाह कमेटी इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी।न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत ने 154 पेज के फैसले में मुस्लिम पक्ष की ओर से उपासना अधिनियम, विशिष्ट अनुतोष अधिनियम, परिसीमा अधिनियम, वक्फ अधिनियम और सिविल प्रक्रिया सहिंता के ऑर्डर-29 के नियम-3 के तहत दी गईं सभी दलीलें खारिज कर दीं। कुल 18 में से तीन मामले सुनवाई से पहले ही अलग किए जा चुके हैं। हाईकोर्ट अब 12 अगस्त से वाद बिंदु तय करते हुए सुनवाई करेगा।भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव, रंजना अग्निहोत्री, प्रवेश कुमार, राजेश मणि त्रिपाठी, करुणेश कुमार शुक्ला, शिवाजी सिंह और त्रिपुरारी तिवारी की ओर से मथुरा जिला अदालत में अर्जियां दाखिल की गई थीं। याचीगण ने हाईकोर्ट में सभी 18 मामलों के स्थानांतरण की गुजारिश की थी। इस पर न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत ने सभी पत्रावलियां तलब करते हुए 18 अक्तूबर 2023 को एकसाथ सुनवाई शुरू की। हिंदू पक्ष ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर की 13.37 एकड़ में से शाही ईदगाह मस्जिद परिसर की ढाई एकड़ जमीन पर कब्जा देने की मांग की थी। कहा था, भगवान श्रीकृष्ण के पोते बृजनाभ ने 5000 साल पहले कटरा केशवदेव में मंदिर का निर्माण कराया था, जिसे वर्ष 1669 में औरंगजेब ने ध्वस्त कराकर शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण करा दिया। यहां सिर्फ हिंदुओं को ही पूजा का अधिकार है।हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दावा किया था कि शाही ईदगाह मस्जिद में मंदिर होने के प्रमाण मौजूद हैं। मस्जिद की दीवारों पर कमल पुष्प, ओम और शेषनाग की आकृतियां मौजूद हैं, जो सनातन धर्म की प्रतीक हैं। हिंदू पक्ष ने हाईकोर्ट में मस्जिद परिसर का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से सर्वे कराने की मांग की।

विधिक हैसियत पर उठाए गए थे सवाल : मुस्लिम पक्ष के वकील तसनीम अहमदी, महमूद प्राचा, नसीरुज्मां और तनवीर अहमद ने मस्जिद परिसर में ऐसे कोई चिन्ह या आकृति मौजूद नहीं होने के दावे किए। साथ ही, वादीगण की विधिक हैसियत पर सवाल उठाए। कहा, श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट और शाही ईदगाह कमेटी के बीच कोई विवाद नहीं है। विवाद खड़ा करने वाले पक्षकारों का जन्मभूमि ट्रस्ट और ईदगाह कमेटी से कोई लेना देना नहीं है। दावा किया कि ईदगाह स्थल वक्फ की संपत्ति है। 15 अगस्त 1947 को यहां मस्जिद कायम थी। उपासना अधिनियम के तहत अब धार्मिक स्थल का स्वरूप नहीं बदला जा सकता।

सर्वे पर लगी रोक हटवाने को करेंगे सुप्रीम अपील : हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट से शाही ईदगाह परिसर के एडवोकेट कमिश्नर से सर्वे पर लगी रोक हटवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 9 जनवरी-24 को एडवोकेट कमिश्नर से सर्वे कराने पर रोक लगाई थी। हाईकोर्ट ने 14 दिसंबर-23 को सर्वे करने का आदेश दिया था। सर्वे का खाका खिंचने के पहले ही मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। शुरूआत में उन्हें झटका लगा, लेकिन बाद में अदालत ने सर्वे रोक दिया। जैन का यह भी कहना है कि वह हाईकोर्ट के ताजा फैसले के क्रम में सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल करेंगे, ताकि कोई फैसला सुनाए जाने से पहले उन्हें भी सुना जाए।

फैसले को देंगे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती: मुस्लिम पक्ष : मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता तनवीर अहमद ने फैसले पर नाखुशी जताई। कहा, हाईकोर्ट ने उपासना अधिनियम, परिसीमा अधिनियम, वक्फ एक्ट के प्रावधानों को नजरअंदाज किया है। इस फैसले के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे।

कांवड़ियों पर युवक ने किया पेशाब, विरोध पान खाकर थूका, पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रयागराज। कस्बे में एक एक युवक की ओर से कांवड़ियों पर पेशाब करने के मामले ने तूल पकड़ लिया। भाजपा नेता की शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर युवक को गिरफ्तार कर लिया। दारगंज घाट से जल भरकर जा रहे कुछ कांवडिए रात होने की वजह से फूलपुर कस्बे में कोतवाली गेट के पास एक दुकान के चबूतरे पर आराम कर रहे थे।आरोप है कि इसी बीच एक युवक कांवडियों के ऊपर पेशाब करने लगा। कांवड़ियों ने इसका विरोध किया तो युवक ने उन पर पान खाकर थूक दिया। इस पर कांवड़ियों ने उसे पकड़ लिया। इसकी जानकारी भाजपा गंगापार के पूर्व सह संयोजक मन्नू सिंह को हुई तो उन्होंने पुलिस से इसकी शिकायत की। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम के मुताबिक आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया गया है।

वृक्षारोपण अभियान 'पृथ्वी कवच' के तहत लगाए गए 100 वृक्ष : इको इंडिया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इको इंडिया ऑगेर्नाइजेशन द्वारा संचालित वृक्षारोपण अभियान' पृथ्वी कवच ' के तहत इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विधि संकाय में 100 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विधि संकाय के डीन डॉ आदेश कुमार ने विधि छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि पेड़ हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है एवं संस्था के प्रमुख पर्यावरणविद संदीप सेठ'सिद्धार्थ' ने

वृक्षारोपण अभियान 'पृथ्वी कवच' को विस्तार पूर्वक समझाया इन्होंने बताया कि प्रकृति ही है जो जीवन को मूल्यवान बनती है पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है जो एक ईश्वर की भाति पूरे जीवन काल में सिर्फ हमें देते हैं फिर वह चाहे बारिश करवाने मे मदद हो या ऑक्सीजन ! कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण मित्र अखिलेश कुशवाहा, अभिषेक सिंह ,स्वराज चंद्र यादव, अभय पांडे ,शांतनु मिश्रा ,सुजल कृष्ण ,अनिरुद्ध सिंह,अजीत ग्राम सिंह एवं अन्य पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

प्रयाग और फाफामऊ में कार्यों की धीमी गति पर जीएम नाराज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम नगरी के प्रयाग जंक्शन और फाफामऊ रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ मेले के लिए चल रहे तमाम निर्माण कार्यों की धीमी गति पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभुन चौधुरी ने नाराजगी जताई है। बृहस्पतिवार को इन दोनों ही रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण करने पहुंचे महाप्रबंधक ने अफसरों से पूछा कि यहां काम इतना धीमा क्यों हो रहा है। इस दौरान डीआरएम लखनऊ एसएम शर्मा की मौजूदगी में महाप्रबंधक ने कहा कि नवंबर तक हर हाल में दोनों स्टेशनों की बिल्डिंग तैयार हो जानी चाहिए। लखनऊ से स्पेशल ट्रेन द्वारा उत्तर रेलवे के जीएम और डीआरएम लखनऊ दोपहर डेढ़ बजे के आसपास प्रयाग जंक्शन पहुंचे। यहां उतरने के पूर्व अफसरों ने अमृत भारत स्टेशन के रूप में तैयार किए जा रहे फाफामऊ स्टेशन का भी निरीक्षण किया। प्रयाग में निरीक्षण के दौरान जीएम ने कहा कि महाकुंभ निकट है और यहां कार्य की रफ्तार सुस्त है। अब किसी भी तरह की बहानेबाजी नहीं चलेगी। नवंबर तक दोनों ही स्टेशनों की नई बिल्डिंग हर हाल में पूरी तैयार हो जानी चाहिए। लाखों लोग इसी रास्ते से आने वाले हैं। जीएम ने प्रयाग स्टेशन की नई बिल्डिंग के निर्माण कार्य को परखा। साथ ही सकुर्लेटिंग एरिया में भविष्य में तैयार होने वालीं यात्री सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान वहां लगे मैप के माध्यम से लखनऊ मंडल के अफसरों ने जीएम को बताया कि यहां कौन-कौन से कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान स्टेशन प्रबंधक संजय कुमार के कक्ष में स्थानीय संवाददाताओं से हुई बातचीत में जीएम ने स्वीकार किया कि काम की रफ्तार अभी धीमी है। अब समय भी ज्यादा नहीं है। कहा कि डीआरएम लखनऊ एवं अन्य वरिष्ठ अफसर यहां पर हो रहे कार्यों का निरीक्षण करते रहेंगे। प्रयास होगा कि नवंबर तक प्रयाग एवं फाफामऊ स्टेशन की नई बिल्डिंग बनकर तैयार हो जाए। जीएम ने बताया कि प्रयागराज संगम स्टेशन पर महाकुंभ को लेकर चल रहे कार्य अब समाप्ति की ओर है। कहा कि आज समय कम होने की वजह से प्रयागराज संगम स्टेशन का निरीक्षण नहीं किया जा रहा है। इस दौरान एडीआरएम सचिन वर्मा, सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा आदि अफसर मौजूद रहे।

सपा नेताओं ने फूंका सीएम योगी का पुतला पुलिस में तीखी नोकझोंक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नजूल संपत्तियों के संरक्षण और उपयोग को लेकर सरकार द्वारा विधानसभा नजूल संपत्ति विधेयक पारित करवाने के निर्णय से खफा सपाइयों ने बृहस्पतिवार को सुभाष चौराहे पर प्रदर्शन किया। इस दौरान सीएम योगी का पुतला फूंके जाने को लेकर सपाइयों की पुलिस से झड़प भी हुई। कुछ सपा नेताओं को हल्की चोट भी आई। बाद में पुलिस कई सपाइयों को गिरफ्तार कर सिविल लाइंस थाने ले आई। हालांकि शाम होते-होते सभी को छोड़ दिया गया। सपाइयों ने कहा कि इस विधेयक के खिलाफ उनका प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा।सपा के वरिष्ठ नेता संदीप यादव के नेतृत्व में हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचे सपाइयों ने सुभाष चौराहे पर योगी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान नजूल संपत्ति विधेयक को वापस लेने की मांग की गई। नारेबाजी के दौरान सपाइयों ने सीएम योगी का पुतला फूंकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने पुतला छीनना चाहा। इस वजह से सपा नेताओं और पुलिस में झड़प हो गई। सपा नेताओं का दावा है उन्होंने सीएम का पुतला फूंक दिया। इस बीच तमाम सपा नेता वहीं धरने पर बैठ गए। बाद में पुलिस उन सभी को सिविल लाइंस थाने ले आई। पुतला दहन के दौरान पुलिस से खींचतान में कुछ कार्यकताओं को चोटें भी आई। विरोध प्रदर्शन कर रहे सपा नेता संदीप यादव, अखिलेश गुप्ता, मुलायम यादव, जयशंकर रावत, अजीत विधायक, रामा, आदिल हमजा, शिवा केसरवानी, सुधीर निषाद, सद्दाम, सौरभ, तारिक

कई लिये गये हिरासत में बाद में किया गया रिहा

अनवर, राजेश यादव, अनिमेष, अभिषेक, प्रदीप, आदित्य पटेल आदि को पुलिस सिविल लाइंस थाने ले आई। यह सूचना मिलते ही सपा गंगापार अध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन समेत तमाम पदाधिकारी सिविल लाइंस थाने पहुंच गए। उधर पुलिस द्वारा थाने लाए गए सपा नेता अड़ गए कि उन्हें जेल भेजा जाए। संदीप यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नजूल भूमि के लिये लाये गए काले कानून से शहर के हजारों लोगों को बेघर होना पड़ेगा, इसका विरोध लगातार जारी रहेगा। वहीं दूसरी ओर सपा नेताओं के थाने पहुंचने के बाद पुलिस ने बाद में सभी को रिहा कर दिया। इस दौरान रविंद्र यादव, निर्मला यादव, दान बहादुर मधुर, आर एन यादव, सचिन श्रीवास्तव, ओपी यादव, कुलदीप यादव, नाटे चौधरी, राम अवध पाल, नेपाल पटेल, राजबहादुर यादव आदि मौजूद रहे।

श्री अवंतिका रामलीला समिति के महामंत्री का सेवानिवृत होने पर भव्य स्वागत

नैनी। नैनी श्री अवंतिका रामलीला समिति के महामंत्री एवं श्री हनुमत शनि धाम, अवंतिका कॉलोनी के संस्थापक अवधेश पांडेय के नैनी एयरोस्पेस लिमिटेड से सेवा निवृत होने पर श्री अवंतिका रामलीला समिति के पदाधिकारियों एवं नैनी एयरोस्पेस श्रमिक संघ के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर उनका भव्य स्वागत किया। भागवताचार्य प. राजेंद्र प्रसाद शुक्ला ने उन्हें उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर श्री शनि हनुमत धाम में सुंदरकांड एवं भजन गायन का मनोहरी कार्यक्रम 12- 13 वर्ष के बच्चे कु० रिया दुबे, शिवम दुबे एवं शुभम दुबे द्वारा सुशील दुबे के कुशल निर्देशन में प्रस्तुत किया गयो भारत सरकार सांस्कृतिक मंत्रालय के गायक आशु शर्मा एवं उनके साथियों ने अत्यंत मनोहारी भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भागवताचार्य प. राजेंद्र प्रसाद शुक्ल, नंदलाल पांडेय, आर के शुक्ला, राकेश त्रिपाठी, राधे श्याम तिवारी, धीरज मिश्रा, अरून तिवारी, उमा कांत दुबे, बी बी दुबे, राजेश पांडेय, राम सिंह, ए के शुक्ला, मंगलेश पांडेय, रमाशंकर द्विवेदी, बी के सिंह आदि उपस्थित रहे।

राजर्षि टंडन चाहते थे हिंदी जन-जन की भाषा बने-प्रोफेसर शुक्ला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्म दिवस पर सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यान माला के 17वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि आचार्य त्रिभुवन नाथ शुक्ला , पूर्व अध्यक्ष हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने भारत भारती के आराधक स्थितप्रज्ञ राजर्षि विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि राजर्षि टंडन चाहते थे कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिले और वह जन जन की भाषा बने। वह हिंदी को पूर्ण रूप से स्थापित करना चाहते थे। उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता थी जो उनके पत्रों में भी झलकती थे। इस तरह के पत्र उन्होंने गांधी जी एवं जवाहरलाल नेहरु को लिखे थे। प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि टंडन की जैसा बोलते थे वैसा ही लिखते थे। उनकी भाषा में व्यंजना के संदेश साफ परिलक्षित होते थे। आज हम सभी को टंडन जी के आदर्शों को आत्मसात करना चाहिए। सारस्वत अतिथि श्री अनंत विजय, वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली ने कहा कि राजर्षि टंडन दृढ़ निश्चयी थे। टंडन जी का राजनीति में प्रवेश हिंदी प्रेम के कारण हुआ। वह हिंदी को देश की आजादी के पहले आजादी प्राप्त करने का साधन मानते थे। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ नरेन्द्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी की आजीवन सेवा की। हिंदी का उनसे बड़ा कोई समर्थक नहीं था। आज युवा पीढ़ी को टंडन जी के बारे में जानने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा तैयार कराए गए वृत्त चित्र की सराहना की। कहा कि महिलाओं की शिक्षा में मुक्त विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के नेतृत्व में विश्वविद्यालय मानक पर खरा उतरेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति सत्यकाम ने कहा कि राजर्षि टंडन महिलाओं की शिक्षा के हिमायती थे। यह विश्वविद्यालय उनके आदर्शों पर चलकर अधिक से अधिक महिलाओं को प्रवेश देने के लिए सतत प्रयासरत है। इसके लिए हम गांव गांव तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। जिससे राजर्षि के आदर्श को पूरा कर सकें। देश को आगे बढ़ना है तो महिलाओं को शिक्षित करना होगा। इस अवसर पर कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा अटल प्रेक्षागृह में राजर्षि टंडन पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही राजर्षि टंडन के जीवन वृत्तांत पर निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया। जन्म दिवस समारोह में हिंदुस्तानी एकेडमी के सहयोग से ख्यातिलब्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक माह तक चली राजर्षि टंडन के जीवन चरित्र से संबंधित निबंध, कविता, लेख, रेखा चित्र तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं नवाज अहमद, मिशिका टंडन, अगम्य मलिक, नेहा गुप्ता, वैष्णवी पटेल, अभिनय कुमार, राम लखन कुशवाहा, प्रमोद द्विवेदी एवं तनु द्विवेदी को प्रमाण पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ जी के द्विवेदी, डॉ गौरव संकल्प, डॉ सोहनी देवी, डॉ साधना श्रीवास्तव की पुस्तक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम आचार्य चाणक्य कौटिल्य एवं कोर्ट का वर्णन तथा कहानी संग्रह रास्ते मिलेंगे का विमोचन किया गया। राजर्षि टंडन जन्म दिवस आयोजन समिति के समन्वयक प्रोफेसर एस कुमार ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर राजर्षि टंडन के पौत्रवधू डॉ शशी टंडन, राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर रंजना त्रिपाठी, गोपाल जी पांडेय, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, श्रीमती पूनम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन

स्थानीय लोगों की लापरवाही से घट शक्ति है बड़ी घटना

नैनी। नैनी जब बिजली गुल होती है तो पुरे दिन आम जनमानस विद्युत विभाग के कर्मचारियों को कोसते है, पर खुद की लापरवाही को नही देखते, आपको बता दें कि क्षेत्र के कसाई मोहल्ले में स्थित ट्रांसफार्मर के एल टी फ्यूज के पास स्थानीय लोग लापरवाही बरतना नही छोड़ रहें है, वही पर कूड़ा का ढेर लगा देते है, जिसकी वजह से आग लग सकती है और बड़ी अनहोनी हो सकती है। नगर निगम को भी इस पर एक पहल करनी चाहिए और स्थानीय लोगो को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। जिससे कि भविष्य में कोई बड़ी घटना ना घट सके।

सड़क सुरक्षा सम्बन्धी गाइडलाइन का पालन करने का एसपी ने दिया निर्देश

पुलिस लाइन सभागार में स्कूल प्रबंधकों की हुई गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

पुलिस लाइन सभागार में आयोजित गोष्ठी में बोलते अतिथिगण।

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) व डीआईओएस जिले में सड़क दुर्घटना पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने को ध्यान में रखते हुये जिले के सभी स्कूल प्रबंधकों के साथ स्कूली छात्र/छात्राओं की सड़क सुरक्षा के संबंध में पुलिस लाइन सभागार में गोष्ठी आयोजित की गयी।

गोष्ठी मे उपस्थित स्कूल प्रबंधक व संबंधित को यातायात नियमों का कड़ाई से अनुपालन करने के दृष्टिगत महत्वपूर्ण जानकारी व दिशा निर्देश दिये गये। जिसमें सभी स्कूल प्रबंधको को बताया गया कि वह अपने स्कूल के वाहनों की फिटनेस आरटीओ कार्यालय में चेक करवायें, मानक के अनुसार बच्चों को गाड़ी में बैठाएं, स्कूल वाहन का ड्राइवर गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, सभी स्कूल प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि ड्राइवरों का आनलाइन आवदेन के साथ सत्यापन कर लें, सभी स्कूल वाहन ड्राइवरों के पास ड्राइविंग लाइसेंस अवश्य होनी चाहिए और गाड़ी चलाने के अनुभवी होने चाहिए, स्कूली वाहनों पर यातायात ट्रैफिक हेल्पलाइन के स्टीकर भी लगवायें, स्कूल वाहन ड्राइवर, वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें। इस दौरान एसपी ने कहा कि सड़क सुरक्षा संबंधी जारी गाइड लाइन्स का अनिवार्य रुप से सभी के द्वारा अनुपालन किया जाए तो हम यह निश्चित रुप से कह सकतें हैं कि होने वाले सड़क दुर्घटनाओं में कमी देखने को मिलेगी।

मांगों को लेकर एसयूसीआई ने किया विरोध प्रदर्शन

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

अखंड भारत संदेश

मांगों को लेकर प्रदर्शन करते एसयूसीआई के पदाधिकारी।

पट्टी, प्रतापगढ़। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया के पदाधिकारी ने पट्टी तहसील मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। तहसील मुख्यालय पर सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया के पदाधिकारी ने विरोध प्रदर्शन करते हुए पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित एसडीएम को सौंपा है।

पांच मांगों में प्रतापगढ़ जिले को सूखाग्रस्त घोषित किया जाए, सिंचाई के लिए सभी नहरों में हेड से टेल तक अभिलंब पानी दिया जाए, खाद, बीज, कीटनाशक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए, बिजली कटौती बंद की जाए व लो वोल्टेज की समस्या का समाधान किया जाए, आवारा पशुओं एवं जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा की जाए समेत पांच सूत्रीय मांग का मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम पट्टी तनवीर अहमद को सौंपा गया। इस दौरान लल्लू राम, रामशरण, विजयानंद, रामकुमार यादव, अरविंद, रामसमुझ मौर्य समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीबीटी का कार्य पूर्ण न होने पर बीएसए ने की कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शासन के मंशा के अनुरूप जिले के परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत छात्राओं/अभिभावकों को डीबीटी योजना का लाभ प्रधान न करने वाले अध्यापकों के विरुद्ध जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कठोर कार्रवाई किया गया। जिले के विकास खण्ड सांगीपुर के एक विद्यालय उच्च प्राथमिक बेवली, विकास खण्ड सण्डवा चंद्रिका के दो विद्यालय प्राथमिक विद्यालय पूरे आचार्य, प्राथमिक विद्यालय रैबी रजानीपुर, विकास खण्ड मान्धाता के दो विद्यालयों प्राथमिक विद्यालय बुआपुर एवं प्राथमिक विद्यालय सराय मेंदी राय के प्रधानाध्यापको को डीबीटी का कार्य अद्यतन प्रारम्भ न करने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान की गई हैं साथ ही डीबीटी का कार्य पूर्ण करने वाले जनपद के 26 विद्यालयों को चेतावनी पत्र निर्गत किया गया है एवं जनपद में कारक समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों से डीबीटी का कार्य पूर्ण किए जाने के संबंध में स्पष्टीकरण प्राप्त कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा डीबीटी कार्य को तीन दिन में पूर्ण कराए जाने का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

बदहाली पर आंसू बहा रहा परियावां रेलवे स्टेशन

दोनो प्लेटफार्म पर लगे इंडियन मार्का हैण्डपम्प बना शो पीस

अखंड भारत संदेश

बदहाल परियावां रेलवे स्टेशन।

परियावां, प्रतापगढ़। एक तरफ केंद्र सरकार यात्रियों की सुविधा को देखते हुए ट्रेन मे सफर करने के लिए रेलवे ट्रैक का दोहरी करण कराने मे दिन रात एक कर रही है ताकि यात्री कम समय मे अपने मंजिल तक पहुँच सके लेकिन सरकार की सारी मंशा पर रेल विभाग के जिम्मेदार अधिकारी रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण करने मे पीछे हट रहे है।

मामला प्रयागराज लखनऊ रेलवे ट्रैक पर पड़ने वाले परियावां कालाकांकर रेलवे स्टेशन का है जंहा पर प्लेटफार्म एक व दो पर लगे इंडियन मार्का हैण्डपम्प विगत महीनो से खराब पड़े हुए है। जब कि पिछले महीने रेलवे के लखनऊ डिवीजन के डीआरएम ने इस रूट पर देर रात परियावा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे स्टेशन के स्टॉफ ने यात्रियों को पानी की दिक्क़त को देखते हुए हैण्डपम्प खराब पड़ा होने के लिए समस्या से अवगत कराया लेकिन आज दिन तक दोनो प्लेटफार्म के खराब पड़े हैण्डपम्प नही बन सके। जब कि परियावां स्टेशन से चंडीगढ़ दिल्ली हरियाणा सहारनपुर कानपुर चोपन शक्तिनगर बरेली ट्रेन से सफ? करने के लिए यात्रियों की भारी भीड़ स्टेशन पर रहती है जिनको पानी पीने के लिए इधर उधर भटकना पड़ता है इतना ही नही इस भीषण गर्मी मे ट्रेन मे सफर कर रहे यात्रियों को भी यदि ट्रेन की क्रांसिंग होती है तो स्टेशन पर पानी नही मिल पाता जिससे मायूस होकर लौट जाते हैं। स्थानीय ब्यापारी संतोष कुमार पांडेय, सुभाष जायसवाल, बच्चन तिवारी, रिंकू शुक्ला, पप्पू गुप्ता,सन्नो शुक्ला, रोहित अग्रहरि, अनिल अग्रहरि, ननके पांडे, राजेश साहू, विकास कुमार अग्रहरि आदि ने डीआरएम का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

क्रासिंग के चलते परियावां स्टेशन पर खड़ी रहती है वंदे भारत एक्सप्रेस

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज संगम से परियावा ऊंचाहार होते हुए कानपुर दिल्ली चंडीगढ़ को जाने वाली 14217 अप ट्रेन के आगे आगे चलने से अक्सर प्रयागराज जंशन से जाने वाली वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को अक्सर परियावां रेलवे स्टेशन पर ऊंचाहार एक्सप्रेस ट्रेन के आगे रहने के कारण खड़ी होना पड़ता है। जब तक ऊंचाहार एक्सप्रेस ट्रेन 14217 अप ऊंचाहार नही पहुँच जाती तब तक के लिए वन्दे भारत ट्रेन को शाम लगभग चार बजे के आस पास परियावा स्टेशन पर खड़ा होना पड़ता है, जो सिलसिला आये दिन चलता रहता है।

दंत चिकित्सकों ने मनाया वर्ल्ड ओरल हाइजीन डे

अखंड भारत संदेश

मरीजों का परीक्षण करते चिकित्सक।

प्रतापगढ़। राजापाल टंकी चैराहे पर स्थित ओम डेंटल केयर क्लीनिक पर वर्ड ओरल हाइजीन डे के अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तत्वाधान में दंत चिकित्सकों के द्वारा दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर संस्थान के प्रेसिडेंट डॉ शमशाद दोहा ने मौखिक स्वच्छता दिवस क्यों मनाया जाता है इस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मौखिक स्वच्छता दिवस एक अगस्त को पूरे भारत में मनाया जाता है, जो भारतीय पीरियोडोंटोलॉजी के अग्रणी और इंडियन सोसायटी ऑफ पीरियोडोंटोलॉजी के संस्थापक सदस्य डॉ. जीबी शंकवाल्कर की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। संस्थान के सेक्रेटरी डॉक्टर अजय सिंह ने कहा कि धूम्रपान करने वाले लोगों में पेरिओडोन्टल रोग होने की संभावना धूम्रपान न करने वालों की तुलना में 2 से 7 गुना अधिक होती है। डॉ विवेक पांडे ने कहा कि जो लोग प्रतिदिन 3 या अधिक कैन पॉप पीते हैं, उनमें दांतों की सड़न, भराव और दांतों का गिरना उन लोगों की तुलना में 62ः अधिक होता है जो नहीं पीते हैं। डॉ जयंत शर्मा ने कहा कि बीमारी के बाद टूथब्रश बदलने से पुनः संक्रमण की संभावना को रोकने में मदद मिलती है। डॉक्टर अवंतिका पांडे ने कहा कि गर्भावस्था में मुख की स्वच्छता का अगर ध्यान न रखा जाए तो इसका सीधा असर होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य पे पड़ सकता है। इस अवसर पर 23 मरीजों का परीक्षण किया गया तथा टूथपेस्ट एवं माउथवॉश का वितरण किया गया। उक्त अवसर पर डॉ पंकज मिश्रा डॉ जय सरोज डॉक्टर वारिस खान द्विवेदी डॉ अनवर अहमद डॉक्टर सीमा खंडेलवाल, डॉ इम्तियाज आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मामूली कहासुनी के दौरान दो समुदाय के बीच मारपीट, आधा दर्जन घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रानीगंज थाना क्षेत्र के बीरापुर बसहा गांव निवासी विकास सिंह व भूपेंद्र सिंह मंगलवार की देर रात बीरापुर से कव्वाली सुनकर घर आ रहे थे। अभी यह लोग बीरापुर बसहा गांव के मुस्लिम बस्ती के पास पहुंचे थे कि बसहा गांव निवासी एक युवक से मुलाकात हो गई। जहां पर दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहां सुनी के दौरान तू तू मैं मैं होने लगी और बात बढ़ते बढ़ते दोनों पक्षों के बीच लाठी डंडा चलने लगे।

मारपीट की घटना की सूचना मिलते ही दोनों पक्ष से दर्जनों लोग लाठी डंडा लेकर आमने-सामने हो गए। जिसमें हल्ला गुहार के साथ मारपीट की सूचना पर अफरा तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। दो समुदायों के बीच मारपीट की घटना से गांव में तनाव व्याप्त हो गया। और इस मारपीट की घटना में एक पक्ष से विकास सिंह (25) वर्ष भूपेंद्र सिंह (23) वर्ष और दूसरे पक्ष से फैसल अली (26) वर्ष अकबाल अली (45) वर्ष सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए। ग्रामीणों के बीच बचाव करने से किसी तरह बड़ी घटना होते-होते टल गई। फिलहाल दोनों पक्षों में तनाव बरकरार है। मारपीट की घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजवाया गया। सूचना मिलते ही जामताली चैकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दो संप्रदाय के बीच मारपीट और तनाव के देखते हुए दोनों पक्षों से ग्यारह लोगों को गिरफ्तार कर 151 की कार्रवाई की गई। इस संबंध में चैकी प्रभारी जामताली हरिमोहन राजपूत से बात की गई तो उन्होंने बताया कि दो समुदाय के बीच तू तू मैं मैं के दौरान मारपीट हो गई थी जिसमें छः लोग घायल हो गए थे। शांति व्यवस्था के मद्देनजर दोनों पक्षों से 11 लोगों के खिलाफ 151 की कार्यवाही की गई है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

लापरवाह अध्यापकों पर मेहरबान है शिक्षा विभाग

लालगंज, प्रतापगढ़। लापरवाह अध्यापकों पर अधिकारी कार्रवाई न कर बचाव करते हुए दिखाई दे रहे है। बताया जाता है कि प्राथमिक स्कूल बभनपुर समेत कई विद्यालयों में 27 जून को स्कूल समय ताला लटक रहा था, जिस पर आज तक विभाग कोई कार्रवाई नही कर सका है। वही 26 जुलाई को फिर एक शिक्षक की लापरवाही का मामला सामने आ गया, जहां स्कूल के समय वह शिक्षक खुद के विद्यालय को छोड़कर दूसरे स्कूल में पौधरोपण के साथ पौधों को बांटने का कार्य कर रहे हैं। गुरु जी ने स्वयं उक्त फोटो को समय सहित एक शिक्षक ग्रुप में डाल दी। किसी ने ग्रुप से लेकर सोशल मीडिया पर फोटो को डाल दी। गुरु जी की इस लापरवाही पर लोग सवाल खड़ा करते दिखाई देने लगे। इस बारे में बीईओ लालगंज सुरेश कुमार सिंह ने कहा कि मुझे बताया गया है कि पौधरोपण विद्यालय समय के बाद किया गया है, लेकिन तुरंत अपनी बात को पलटते हुए बताया कि स्कूल समय के पहले पौधरोपण किया गया था।

36 घंटे बाद आजाद नगर की बिजली हुई बहाल

ट्रांसफार्मर व ट्राली ट्रांसफार्मर के दगने से हुई दिक्कत

अखंड भारत संदेश

आजाद नगर में नया ट्रांसफार्मर लगाते विद्युत कर्मी।

प्रतापगढ़। शहर के आजाद नगर मोहल्ले में 36 घंटे बाद आज बिजली बहाल हो पाई। बताया जाता है कि बुधवार को पूरे दिन व रात में वहां के लोग बिजली पानी के लिये तड़प उठे थे। मंगलवार की रात में वहां का ट्रांसफार्मर जल गया था। दूसरे दिन वहां ट्राली ट्रांसफार्मर लगाया गया, वह भी घंटे भर बाद दग गया। फिर बिजली विभाग को नया ट्रांसफार्मर लगाने में 36 घंटे लग गये।

इस दौरान बिजली, पानी का संकट झेल रहे लोगों का धैर्य टूट गया था। लोग अपना मोबाइल तक चार्ज नहीं कर पा रहे थे। भीषण गर्मी झेल रहे लोगों के लिये यह बहुत बड़ी मुसीबत झेलनी पड़ी। ज्यादातर लोग परेशान दिखे। बुधवार को वर्षा होने से गर्मी में थोड़ा राहत जरुर थी लेकिन सबसे बड़ी समस्या पेयजल की थी। पानी के लिये लोग भटक रहे थे। घरों में लगे इन्वर्टर जवाब दे गये थे। बुधवार की रात आजाद नगर अंधकार में डूबा रहा। आज दिन में दूसरा ट्रांसफार्मर लगने के बाद आजाद नगर की बिजली बहाल हो सकी, तब वहां के लोगों ने राहत की सांस ली।

विवाहिता को जान से मारने के प्रयास का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। दहेज के लिए विवाहिता को पति, जेठानी व ससुर ने मारपीट कर गंभीर हालत में कमरे में बंद कर दिया। सूचना पर पुलिस के साथ पहुंचे पिता ने कमरा खुलवाकर विवाहिता को इलाज के लिए सीएचसी लाया। जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

नेवादा गांव की रहने वाली शाहजहां पत्नी रफीक की शादी तीन वर्ष पूर्व मुस्लिम रीति रिवाज के साथ हुई थी। शादी के समय हैसियत के मुताबिक दान दहेज दिया गया था। आरोप है कि दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल सोने की चेन और फ्रिज को लेकर शादी के बाद से ही उसे प्रताड़ित किया जाता रहा। पति, सास, जेठानी व ससुर ने विवाहिता को बुरी तरह से मारपीट कर एक कमरे में बंद कर दिया। पड़ोस की एक महिला ने विवाहिता के पिता सलीम निवासी पारा थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर को सूचना दी। पीड़ित सीधे पट्टी कोतवाली आया। पुलिस को सूचना देकर पुलिस के साथ वह बेटी के गांव पहुंचा। पुलिस की मौजूदगी में बंद कमरे से अपनी बेटी को निकाल कर इलाज के लिए सीएचसी लाया। जहां से गंभीर हालत के चलते प्राथमिक उपचार के बाद विवाहिता को जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

सावन में प्यासा धाम, कैसे हो जलाभिषेक, पानी के लिए बेलखरनाथ धाम में भारी दिक्कत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। विद्युत आपूर्ति खराब होने से टंकी में पानी नहीं है,सई नदी पर बैरिकेटिंग लगा है, हैंडपंपों से गंदा पानी आ रहा है जिसके चलते सावन में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कैसे होगा। सावन में बाबा शिव का धाम प्यासा है। जिसको लेकर शिव भक्तों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

धाम में पानी की किल्लत के चलते बीते सोमवार को एक कांवरिया की जान तक चली गई, तो क्या सावन में भगवान भोलेनाथ को प्यासा ही रहना पड़ेगा बगैर जलाभिषेक के ही शिव भक्त मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। जबकि इस समस्या को बैठक दौरान मंदिर के पुजारी व कार्यकर्ताओं ने उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया था। लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। पौराणिक स्थल बाबा बेलखरनाथ धाम में सावन मास व अधिकमास में हजारों कांवरिया व शिव भक्त जलाभिषेक व दर्शन पूजन करने आते हैं। यहां प्रत्येक शनिवार को मेला भी लगता है। इस सावन में सबसे ज्यादा समस्या पानी को लेकर है। शिव भक्त व कांवरियों को बाबा का जलाभिषेक करने के लिए शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है। पहले श्रद्धालु जल निगम द्वारा सप्लाई से पानी की टंकी, हैंडपंपों व सई नदी से जल लेकर बाबा का जलाभिषेक कर देते थे।लेकिन इस बार विद्युत खराबी के चलते पानी की टंकी सूखी है, हैंडपंपों से गंदा पानी आ रहा है तथा सई नदी के किनारे चल रहे पक्के घाट के निर्माण के वजह से बैरिकेडिंग कर दी गई है, जिससे शिव भक्तों को जलाभिषेक करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस संबंध में मंदिर के पुजारी विश्वनाथ गिरी व कार्यकर्ताओ ने सभी विभागों की हुई बैठक वे दौरान में उच्चाधिकारियों को अवगत कराया था।पानी की वजह से बीते सोमवार को सई नदी में डूबने से एक कांवरिया की मौत हो गई। जिससे नाराज कांवरियों ने मंदिर पर हंगामा कर दिया। यदि बिजली, पानी की व्यवस्था नहीं हो पाई तो सावन में शिव भक्तों, दुकानदारों व कांवरियों को पानी के लिए तरसना होगा, जिसको लेकर शिव भक्तों में आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र के शिव भक्तों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए अभिलंब इस समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

आज जगमगाएगी पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय की प्रतिमा

प्रतापगढ़। शिक्षा जगत के मालवीय एक कालजयी व्यक्तित्व, लौह पुरूष, कुशल शिक्षाविद, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, विराट स्वाभिमानी व्यक्तित्व पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय का जन्म दिवस समारोह 03 अगस्त 2024 दिन शनिवार को ग्रामीण इण्टरमीडिएट कालेजेज/उ0मा0 विद्यालय प्रतापगढ़ के समस्त विद्यालय अपने प्रांगण में समयबद्ध तरीके से सम्पन्न करेगें। महामना पंण्डित उपाध्याय जी के स्मृति स्वरूप वृक्षारोपड भी किया जायेगा। उक्त उद्गार विद्यालयों के अध्यक्ष डॉ0 प्रशान्त देव शुक्ल ने देते हुये कहा कि संस्था के समस्त प्रधानाचार्य अपने विद्यालय परिवार के साथ पंण्डित जी के जन्म दिवस पर उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हुये विद्यालय को प्रगति पथ पर आगे बढाने का संकल्प लें। जन्म दिवस समारोह के पूर्व संध्या पर 02 अगस्त 2024 को ट्रेजरी चैराहे पर स्थापित महामना पण्डित उपाध्याय जी की मूर्ति पर सायं 6 बजे संस्था के संरक्षक पं0 श्याम किशोर शुक्ल जी द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया जायेगा। 03 अगस्त 2024 जन्म दिवस के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पंण्डित श्याम किशोर शुक्ल जी नगर के लोकमान्य तिलक इण्टर कालेज में अपनी गरिमामयी उपस्थिति के माध्यम से महामना पण्डित के जीवन पर प्रकाश डालेगें एवं आशीर्वचन देंगे। यह जानकारी प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार तिवारी ने दी।

चेकिंग के दौरान मोबाइल फोन के साथ अभियुक्त बरामद

पट्टी, प्रतापगढ़। थाना कोहड़ौर पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत अतरसण्ड नहर पुलिया से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।घटना का विवरण-पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर शिवनारायण वैश के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष उ0नि0 राधेश्याम थाना कोहड़ौर के नेतृत्व में उ0नि0 निकेत भारद्वाज मय हमराह उ0नि0 राजेश कुमार, कां0 राहुल कुमार, कां0 प्रवीण कुमार द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग के दौरान, मुखबिर की सूचना पर थानाक्षेत्र के अतरसण्ड नहर पुलिया के पास एक अभियुक्त रंजीत तिवारी पुत्र विक्रम तिवारी नि0ग्राम अतरसण्ड थाना कोहड़ौर जनपद प्रतापगढ़ के पास से चोरी का एक अदद मोबाइल बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त रंजीत तिवारी ने पूछताछ पर बताया कि कभी कभी आते जाते लोगों का मोबाइल फोन चोरी कर लेता हूं और बेच देता हूं यह मोबाइल फोन हमने रखहा बाजार के पास टुनटुन ढ़ाबा से चुराया था जिसको मै आज बेचने जा रहा था। उपरोक्त अभियुक्त के कब्जे से चोरी का दो मोबाइल फोन बरामद किया गया।

सरकारी अस्पताल के सामूहिक निरीक्षण में मिली बड़ी कमियां

जिलाधिकारी के निर्देशन में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदारों द्वारा एक ही दिन में समस्त तहसील के समस्त सीएचसी/ पीएचसी का किया औचक निरीक्षण

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को अनुपस्थित पाये गये अधिकारी, चिकित्सक, स्टाफ नर्स, वार्ड ब्वाय, फार्मासिस्ट का वेतन रोके जाने का दिया निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी के निर्देशन में गुरूवार को उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदारों द्वारा समस्त तहसील के समस्त सीएचसी/पीएचसी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालयों में विभिन्न स्तर पर जो भी अधिकारी, चिकित्सक, स्टाफ नर्स, वार्ड ब्वाय, फार्मासिस्ट अनुपस्थित पाये गये, जिसकी रिर्पोट जिलाधिकारी को प्रेषित की गयी। डीएम ने सीएमओ को अनुपस्थित पाये गये अधिकारी, चिकित्सक, स्टाफ नर्स, वार्ड ब्वाय, फार्मासिस्ट का वेतन रोके जाने का निर्देश देते हुए उन्हें अवगत करायें तथा निर्देशित किया कि ऐसी लापरवाही फिर से न हो, नहीं तो आगे और कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदारों के द्वारा एक ही दिन में जनपद के सभी सीएचसी/ पीएचसी का औचक निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान राजकीय महिला चिकित्सालय चरवा में अनुपस्थित पाये गये स्टॉफ का एक दिन का वेतन रोकने के डीएम ने दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय पूरे अयोध्या, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरवा, राजकीय महिला चिकित्सालय चरवा, बेसिक शिक्षा कार्यालय एवं जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने गुरूवार को विकास खण्ड चायल के प्राथमिक विद्यालय पूरे अयोध्या, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चरवा, राजकीय महिला चिकित्सालय चरवा, बेसिक शिक्षा कार्यालय एवं जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय पूरे अयोध्या पहुंचकर वहां पर बच्चों से पढ़ायें जाने वाले विषयों के बारे में जानकारी ली व बच्चों को स्वयं क्लास रूम में पढ़ाया भी। जिलाधिकारी ने विद्यालय में उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करते हुए अध्यापकों व अन्य स्टॉफ को समय से विद्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए है। राजकीय महिला चिकित्सालय चरवा के निरीक्षण के दौरान वहां पर दो स्टाफ नर्स व वार्ड ब्वाय को छोड़कर अन्य कोई स्टाफ ड्यूटी पर न मिलने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को वहां पर तैनात सभी अनुपस्थित स्टॉफ का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। उन्होंने चिकित्सालय में साफ-सफाई, मरीजों के बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा कार्यालय का निरीक्षण करते हुए डीसीएमआईएस व डीसी सिविल सहित अन्य लोगो को अपने-अपने पटल के समस्त कार्यों की सूचना बनाकर उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है। कार्यालय में निरीक्षण के दौरान सर्व शिक्षा अभियान के पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये, जिलाधिकारी ने उनसे स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कार्यालय में साफ-सफाई व फाइलों को व्यस्थित ढंग से रख-रखाव के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण करते हुए पटल सहायकों से उनके कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए अपने कार्यों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के लिए कहा है। उन्होंने पटल सहायकों से रोजना किए जाने वाले कार्यों का रजिस्टर में अंकन भी करने के निर्देश दिए है।

न्यूज झरोखा

सेवानिवृत्त कलेक्ट्रेट कर्मियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर किया विदाई

कौशाम्बी कलेक्ट्रेट में वरिष्ठ लिपिक दैवी आपदा के पद पर तैनात दिनई एवं अर्दली नजारत के पद पर तैनात श्रीमती रेनू निगम अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के पश्चात 31 जुलाई 2024 को सेवानिवृत्त हुई। दिनई एवं श्रीमती रेनू निगम ने कुशलतापूर्वक शासकीय कार्यों को सम्पादित किया।कलेक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में आयोजित विदाई समारोह में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह एवं उप जिलाधिकारी राहुल देव भट्ट ने स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर विदाई किया तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी जिलाधिकारी सुनील मिश्रा, भानु प्रताप, अध्यक्ष उ0प्र0 मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ शाखा जनपद कौशाम्बी/वी0आई0पी0 बाबू अंगद सिंह, मंत्री/पेशकार सुनील सिंह, पेशकार जिलाधिकारी राकेश मौर्य, नाजिर सुभाष चन्द्र जायसवाल, प्रशासनिक अधिकारी विनोद कुमार एवं श्याम बिहारी, पेशकार एडीएम (एफ/आर) चन्द्रपाल सिंह, आशुलिपिक सुरेश सिंह, आशुलिपिक उप जिलाधिकारी मंझनपुर सुनील यादव एवं पेशकार उप जिलाधिकारी मंझनपुर कमलेश कुमार, कनिष्ठ लिपिक प्रिया सिंह तथा श्रीमती रूचि शुक्ला सहित कलेक्ट्रेट के अन्य कर्मचारियों ने फूलों की माला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ देकर दिनई एवं श्रीमती रेनू निगम की भावभीनी विदाई किया तथा उनके शासकीय कार्यों के निर्वहन की सराहना किया।

लेखपाल संघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। खसरा की ऑनलाइन फीडिंग में सर्वर की खराबी और कई प्रकार की खामियों को लेकर जिले के लेखपाल त्रस्त है। इससे उन्हें ऑनलाइन खसरा की फीडिंग करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर बृहस्पतिवार को जिले के लेखपाल संघ का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी मधुसूदन हुगली से मुलाकात किया और खसरा फीडिंग का बहिष्कार करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा। जिलाधिकारी ने लेखपालों की इस समस्या को प्राथमिकता के तौर पर निस्तारण करने का आश्वासन संघ के प्राधिकारियों को दिया है।उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह पाल की अगुवाई में पहुंचे जिला मंत्री ज्वाला सिंह यादव और वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने जिलाधिकारी मधुसूदन हुगली से मुलाकात करते हुए बताया कि खसरा की ऑनलाइन फीडिंग में सर्वर खराब होने के कारण उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। सर्वर खराब होने के कारण एक खसरा फीडिंग में आधे घंटे से अधिक का समय लग जाता हैं ऐसे में दिन भर में मात्र बीस से पच्चीस खसरा की ऑनलाइन फीडिंग ही हो पाती है। इसके अलावा लेखपालों को क्षेत्र में कई अन्य काम होते है जो खसरा फीडिंग के कारण प्रभावित हो जाते है। संघ के पदाधिकारियों ने खसरा फीडिंग कार्य का बहिष्कार करते हुए डीएम को एक ज्ञापन सौंपा और इस कार्य को लेखपाल से न कराकर किसी अन्य स्तर पर कराए जाने की मांग किया। जिलाधिकारी ने संघ के पदाधिकारियों की इस मांग पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इसी प्रकार संघ ने खतौनी फीडिंग के दौरान अंश निर्धारण में होने वाली त्रुटियों और खामियों के विषय में भी जिलाधिकारी को समस्या से अवगत कराया है।

जिलाधिारी ने की आकांक्षी विकास खण्ड के इंडीकेटर्स के प्रगति की समीक्षा

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ आकांक्षी विकास खण्ड-मंझनपुर एवं कौशाम्बी के इंडीकेटर्स की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गईं। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार इंडीकेटर्स के प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभागीय इंडीकेटर्स के सापेक्ष आउटकम पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के इंडीकेटर्स की समीक्षा के दौरान कहा कि आशाओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से जॉच कराने एवं टीकाकरण के लिए जागरूक किया जाय। उन्होंने सीएम फेलो से कहा कि सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठकर विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए योजनाओं का इस प्रकार क्रियान्वयन किया जाय, जिससे आउटकम प्राप्त हो सकें। उन्होंने कृषि विभाग के इंडीकेटर्स की समीक्षा के दौरान सीएम फेलो को आवश्यक दिशा-निर्देश दियें।

मंदिर में पौधा रोपण करते समय दबंगो ने युवक को पीट कर किया घयाल

कौशांबी। मंदिर परिसर की जमीन पर फुलवारी लगा रहे युवक की दबंगो ने जमकर पिटाई की, युवक के सिर पर गंभीर चोट आई है। उसको बेहोशी हालत में छोड़कर दबंग फरार हो गए। परिजन घायल को जिला अस्पताल लेकर पहुचे, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक सैनी थाना क्षेत्र के बख़्तियारा परसीपुर गाँव के रहने वाले अभिषेक मिश्र बृहस्पतिवार की सुबह मंदिर परिसर की जमीन पर गुलाब के पौधा रोपण कर रहे थे। तभी पड़ोस के रहने वाले दबंगो लक्ष्मीकांत, श्रीकांत, रमाकांत आदि लोगो ने लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। जिसमे अभिषेक को गंभीर चोट आई है चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग मौके की तरफ भागे तो दबंग जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है की जिस भूमि पर मंदिर का निर्माण हुआ है। उसको दबंग अपनी बता रहे है। और किसी भी तरह का काम वहां पर करने नही देते है। यही वजह है कि जब अभिषेक गुलाब का पौधा लगा रहा था, तो उस पर दबंगो ने हमला बोल दिया। और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

सोशल सेक्टर की योजनाओं के प्रगति की डीएम ने समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा कार्यालय कक्ष में सोशल सेक्टर से सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सोशल सेक्टर से सम्बन्धितजनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों को उप जिलाधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से सत्यापन के साथ ही सम्बन्धित विभागीय अधिकारी/कर्मचारी द्वारा भी क्षेत्र में जाकर सत्यापन तथा समस्त कार्यवाही शासनादेशानुसार सुनिश्चित किया जाय। जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों तथा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को मदरसों का प्रत्येक माह चेक लिस्ट के आधार पर निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही यह भी जॉच किया जाय कि शासनादेशानुसार सभी आवश्यक व्यवस्थायें हैं या नहीं। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि पेंशन लाभार्थियों के मृतक होने की सूचना प्राप्त होने पर पुनः सत्यापन कराकर ही आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को सोशल सेक्टर की योजनाओं का नोडल नामित करते हुए निर्देशित किया कि सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत आख्या उन्हें नियमित रूप से प्रस्तुत करते रहेंगे।

किसानो की समस्यायों की अनदेखी हुई तो होगा आंदोलन : अजय सोनी

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में एक अगस्त गुरुवार को पार्टी के तमाम कार्यकताओं ने बिजली कटौती और सूखी नहरों में जलापूर्ति न होने पर कलेक्ट्रेट का घेराव कर हल्लाबोल किया। जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सूखी नहरों में टेल तक जलापूर्ति और रोस्टर से विद्युत आपूर्ति करने की मांग की। गुरुवार एक अगस्त को समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान में पार्टी के जिला कार्यालय मंझनपुर में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बिजली कटौती और सूखी नहरों में पानी न आने का मुद्दा छाया रहा। बैठक में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी नेता अजय सोनी ने कहा कि प्रशासन किसानों की समस्यायों की अनदेखी कर रहा है। इसे कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। आगे कहा कि किसानों की समस्यायों की अनदेखी हुई तो आंदोलन किया जाएगा। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओ ने अजय सोनी की अगुवाई में जिला कलेक्ट्रेट का घेराव किया और नारेबाजी कर सूखी नहरों में टेल तक जलापूर्ति एवं रोस्टर से विद्युत आपूर्ति करने की मांग की। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह को एक पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में करारी माइनर नहर और रामगंगा माइनर में टेल तक जलापूर्ति करने, रोस्टर से 18 घंटे विद्युत आपूर्ति करने, गांव गांव पशुओं का टीकाकरण करने, कौशांबी जिले में सिंचाई बंधु की मासिक बैठक आयोजित करने, कौशांबी जनपद के पैसे से गैर जनपद में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा सड़क निर्माण करने वाले जिम्मेदारों पर

बिजली कटौती और सूखी नहरों के मुद्दे पर बिफरे सकिपा कार्यकर्ताओ ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर किया हल्लाबोल

कार्यवाही करने जैसी मांगे शामिल थीं। अपर जिलाधिकारी ने सभी मांगों पर विचार कर समुचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर सुरजीत वर्मा, बद्री प्रसाद प्रजापति, पदुम नारायण सोनी, मुन्ना लाल तिवारी, रंजीत सरोज, भगवान दास वर्मा जुम्मन अली, सियाराम सिंह लोधी, राम शिरोमन पाल आदि मौजूद रहे।

स्कूली वाहनों के स्वामी, वाहन की फिटनेस व परमिट प्रमाण-पत्र प्राप्त करना करें सुनिश्चित : एआरटीओ

कौशाम्बी। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल ने सूचित किया है कि जनपद में संचालित स्कूली वाहनों, जिनकी फिटनेस/ परमिट की वैधता समाप्त हो गयी है, वे वाहन के सुरक्षा सम्बन्धी सभी मानकों को पूरा करते हुए वाहन की फिटनेस प्रमाण पत्र व परमिट प्रमाण पत्र प्राप्त कर लें। चेकिंग के दौरान ऐसे वाहन, जिनका फिटनेस प्रमाण पत्र व परमिट प्रमाण पत्र वैध नहीं पाया जाता है, तो वाहन स्वामी विद्यालय प्रबन्धक प्रधानाचार्य के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।इसके अतिरिक्त ऐसे वाहन, जोकि संचालन योग्य नहीं है तथा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होकर नष्ट हो चुके हैं, उनका विवरण कार्यालय में प्रस्तुत कर वाहन के निरस्तीकरण की कार्यवाही नियमानुसार कराना सुनिश्चित कर लें,अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

किरोधी पर दबाव बनाने के लिए भाजपा सभासद ने रचा इस्तीफा का ड्रामा

कौशांबी। नगर पंचायत सिराथू के वार्ड नम्बर 4 के भाजपा सभासद वैभव चौधरी ने गुरुवार को अधिशासी अधिकारी सिराथू को इस्तीफा पत्र सौपते हुए कहां है कि कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोग उनके साथ मारपीट कर रहे हैं उन पर दबाव बना रहे हैं जिससे वह भयभीत होकर इस्तीफा दे रहे हैं लेकिन उनके इस्तीफा पर सवाल खड़े हो गए हैं इस्तीफा स्वीकार करने की बात की जाए तो जिला अधिकारी निर्वाचित सभासद का इस्तीफा स्वीकार कर सकते हैं अन्य किसी व्यक्ति को निर्वाचित व्यक्ति का इस्तीफा स्वीकार करने का कानूनी नियम नहीं है लेकिन सब कुछ जानते हुए भी सभासद ने यदि अधिशासी अधिकारी सिराथू को अपना इस्तीफा सौप दिया है तो यह केवल विपक्षी पर दबाव बनाने का उनका ड्रामा है नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को इस्तीफा देते वक्त शपथ पत्र भी नहीं दिया गया है जानकारी करने पर मालूम हुआ कि नगर पंचायत अध्यक्ष बाहर हैं और बोर्ड की बैठक भी नहीं हुई है बोर्ड की बैठक में भी यदि इस्तीफा प्रस्तुत किया जाता है तो उसे स्वीकृत करने के लिए जिला अधिकारी के पास भेजा जाता है केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार है उसके बाद भी भाजपा के सभासद को इस्तीफा देने का ड्रामा करना पड़े तो कितनी शर्मनाक बात होगी इस्तीफा का ड्रामा कर के वह झूठी शोहरत हासिल करना चाहते हैं।

आम जनता को बताना चाहते हैं कि वह भयभीत दिखाई पड़ रहे हैं जबकि सच्चाई इससे बहुत दूर है।

बाबा बैजनाथ धाम जलाभिषेक के लिए बसुहार गांव से रवाना हुए सैकड़ो भक्त

कौशाम्बी। जिला के बसुहार गांव से बृहस्पतिवार को सैकड़ों की संख्या में बाबा भोलेनाथ के भक्त भगवा वस्त्र धारण कर सावन के इस पवित्र माह में गंगा का पवित्र जल लेकर भगवान शंकर का अभिषेक करने बाबा बैजनाथ धाम के लिए काँवरिया डी जे की धुन पर भक्ति गाने पर नाचते गाते हुए गांव से भोले बाबा के भक्त निकले बसुहार गांव को छेत्रिय लोग मिनी काशी के नाम से जानते है बसुहार में भोले नाथ के सात मंदिर बने हुए है जिसमे प्रतिदिन प्रकांड विद्वानों के द्वारा सुबह शाम पूजा अर्चना किया जाता है बसुहार गांव से पिछले कई सालों से कावड़िया भक्त कमेटी द्वारा श्रवण मास में वैद्यनाथ धाम के लिए सैकड़ों की संख्या में हर साल जलाभिषेक करने भक्त जाते हैं और लौटने के बाद पूरा गांव मिलकर एक भव्य और विशाल भंडारे का आयोजन भी करता है जिसमे हजारों की संख्या में भक्त शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करते हैं जिसमे बसुहार गांव की समस्त जनता का योगदान रहता है बसुहार गांव में प्राचीन शिव मंदिर के पास ही सभी धार्मिक कार्य सम्पन्न कराए जाते है प्राचीन समय से चली आ रही प्रथा के मुताबिक पुरषोत्तम मास में एक महीने तक लगातार शिव मंदिर में ओम नमः शिवाय का जाप भी गांव के सहयोग से सम्पन्न कराया जाता है कल्लू दुधहा पुत्र लाली दुबे ने सभी कावड़िया को यथा शक्ति द्रव्य दे कर बिदा किया कावड़िया के रूप में फूल चंद्र पांडे सरवन ओझा भरत त्रिपाठी अंजीत मिस्त्रा अशोक कुमार मिस्त्रा संजय कुमार चौरसिया रवि मिस्त्रा सानू मिस्त्रा बाबू मिस्त्रा रोहित बेलौरा अंकुर गाना हीरो मिस्त्रा रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी गोटे मिस्त्रा टिंकू मिस्त्रा श्याम बाबू सेन बिनु तिवारी अंकुश मिस्त्रा बलराज मिस्त्रा कबूतर द्विवेदी छोटू तिवारी एवम सैकड़ों कावरिया बसुहार से कावर ले कर रवाना हुए इस मौके पर गांव के हजारों नर नारियों का समुदाय उपस्थित रहा।

गरीब का जर्जर मकान वारिश में हुआ जमीदोज

बेघर हो गए तारा चंद और उसके छोटे छोटे बच्चे

महगांव कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरतगंज ब्लॉक के ग्राम पंचायत बलिहावा देह में बारिश की वजह में गरीब का कच्चा मकान जमीदोज हो गया जिसकी सूचना पीड़ित ने ग्राम प्रधान और हल्का लेखपाल को दिया लेकिन कोई भी मौके पर पहुंच कर गरीब की गुहार नही सुन सका मिली जानकारी के मुताबिक बलिहावा गांव के रहने वाले तारा चंद पटेल पुत्र हरिश्चंद्र का खपरैला मकान गुरुवार की शाम के वक्त बारिश के पानी की सीलन की वजह से भरभरा कर गिर गया गलीमत रही की मकान गिरने से पहले ही परिवार जनों के साथ ताराचंद सुरक्षित बाहर निकल आए घर में रखा समान क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना से तारा चंद का परिवार बेघर हो गया है। तारा चंद घर पर ही रह कर मेहनत मजदूरी करता है और खेती किसानी करके अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता है तारा चंद उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं। जो इसी मकान में रहते थे। मकान गिरने के बाद सभी बेघर हो गए अधिकारियों से घर के लिए गुहार लगा रहे हैं।

उचित दर विक्रेताओं द्वारा कार्डधारकों के वितरण में अनियमितता की शिकायत पर होगी कठोर कार्यवाही

कौशाम्बी। जिलापूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत समस्त कार्डधारकों को नियमानुसार आवश्यक वस्तुयें उपलब्ध कराने के लिए हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य का सघन अनुश्रवण किया जा रहा हैं। अनुश्रवण के दौरान वितरण सम्बन्धी गम्भीर अनियमितता प्रकाश में आने पर दोषी उचित दर विक्रेताओं के विरूद्ध वैधानिक एवं विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जायेंगी। विकास खण्ड सिराथू की ग्राम पंचायत-कैमा में उचित दर विक्रेता श्रीमती उर्मिला देवी एवं ग्राम पंचायत-भवनसूरी के उचित दर विक्रेता रामसुमिरन द्वारा वितरण में अनियमितता किये जाने की शिकायत प्राप्त होने पर क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षकों की टीम द्वारा जांच करायी गई, जांच में यह पाया गया कि दोनों विक्रेताओं द्वारा आवश्यक वस्तुओं के वितरण में घटतौली की गई हैं, जिससे दोनां उचित दर विक्रेताओं के दुकान का अनुबन्ध पत्र निरस्त कर दिया गया। जिलापूर्ति अधिकारी ने समस्त उचित दर विक्रेताओं को सूचित किया कि वह नियमानुसार आवश्यक वस्तुओं का उठान/वितरण प्रत्येक कार्डधारक को करना सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक कार्डधारक को निर्धारित मात्रा में आवश्यक वस्तुओं का वितरण उचित दर विक्रेता द्वारा किया जाय। उन्होंने कहा कि यदि जाँच के उपरान्त उचित दर विक्रेता के वितरण में अनियमितता की पुष्टि होती है तो सम्बधित उचित दर विक्रेता के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेंगी।

नगर निकाय की स्वयं की आए में वृद्धि बढ़ाने पर डीएम ने दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी चायल, भरवारी, सराय अकिल एवं चरवा के साथ बैठक कर नगर पंचायतों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा कार्यालय कक्ष में अधिशासी अधिकारी चायल, भरवारी, सराय अकिल एवं चरवा के साथ बैठक कर नगर पंचायतों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने 15वें वित्त आयोग (बुनियादी एवं निर्दिष्ट) एवं राज्य वित्त आयोग में निर्दिष्ट कार्यों व प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए अधिशासी अधिकारियों से कहा कि नगर निकाय के विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत रह गये शेष कार्यों तथा सामुदायिक/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियमानुसार क्या-क्या कार्य कराया जा सकता हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कार्ययोजना में सम्मिलित किया जाय। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों से कहा कि नगर निकाय की स्वयं की आय में वृद्धि किस प्रकार हो सकती हैं, इस पर विशेष ध्यान देते हुए आय बढ़ाया जाय। उन्होंने कहा कि आटो/टैम्पू संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आटो/टैम्पू को चिन्हित स्थान पर खड़ी किये जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को नगर निकाय की भू-सम्पत्तियों पर हुए अवैध कब्जों को हटवाने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने नगर निकाय के सभी रजिस्टरों को व्यवस्थित एवं अपडेट रखने तथा नगर निकाय में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित रखने के निर्देश दिये।

ढाबा में रुकने वाले ट्रक चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को बनाया पार्किंग स्थल

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र से लेकर सैनी कोतवाली तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे संचालित ढाबा संचालकों के ढाबा में खाना खाने के लिए रुकने वाले ट्रक चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहन पार्किंग का स्थान बना दिया है इन ढाबे के सामने पूरे दिन रात राष्ट्रीय राजमार्ग में सैकड़ो ट्रक खड़ी रहती हैं जिससे आमजन मानस को आवागमन में दिक्कत होती है और राष्ट्रीय राजमार्ग में ट्रक के खड़े रहने से दुर्घटनाएं बढ़ती है आम जनता परेशान हो चुकी है लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग को वाहन पार्किंग स्थल बनाने वाले वाहन चालकों पर थाना पुलिस यातायात पुलिस और एआरटीओ कार्यवाही करती नहीं दिख रही है राष्ट्रीय राजमार्ग के कोखराज थाना से सैनी कोतवाली क्षेत्र तक संचालित दर्जनों ढाबा संचालक जरायम के धंधे में लिप्त है जहां गांजा अफीम चरस से लेकर शराब शवाब सब कुछ ट्रक चालकों को परोसा जाता है जिसके चलते ढाबा संचालकों से थाना पुलिस के मधुर संबंध है राष्ट्रीय राजमार्ग को पार्किंग स्थल बनाने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही न किए जाने से व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं इन डाबो की कभी आबकारी अधिकारी भी जांच नहीं करने पहुंचते हैं जिससे आबकारी विभाग की भी भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं आखिर ढाबा संचालकों से इतना मधुर संबंध क्यों हैं एआरटीओ का टोकन कूपन भी इन ढाबों से बिकता है जिससे एआरटीओ भी ढाबा संचालक पर मेहरबान है बताया जाता है कि दर्जनो ढाबा संचालक ऐसे हैं जिनके पास फूड विभाग का लाइसेंस भी नहीं है फिर भी ढाबा बेखौफ तरीके से संचालित हो रहा है इन ढाबा संचालकों के भोजन की गुणवत्ता भी कभी फूड विभाग के अधिकारी चेक करने नहीं पहुंचते हैं।

संपादक की कलम से

लोकसभा चुनाव के बाद संगठनात्मक पुनर्गठन भाजपा के लिए एक प्रमुख कार्य

मोदी के चुनावी जादू को खोने के बाद, भाजपा को खुद को फिर से तलाशना होगा और अपनी प्रासंगिकता वापस हासिल करनी होगी। मोदी ने अपने बयानबाजी के जरिये जो लोकलुभावनवाद किया, उसमें पांच-टी शामिल थे- टैलेंट, ट्रेड, ट्रेडिशन, टूरिज्म और टेक्नालॉजी। भाजपा के सामने संगठनात्मक चुनौतियां बहुत हैं। बचे हुए नेतृत्व को समाधान के लिए मोदी की ओर देखने के बजाय अपनी रणनीति और तंत्र पर काम करना चाहिए करोड़ों भारतीयों का सपना है कि उनका देश जल्द ही सशक्त हो जायेगा और तेज कनेक्टिविटी, अधिक नौकरियां, बेहतर शिक्षा और जीवन की बेहतर गुणवत्ता होगी। लेकिन ऐसा संभव लगता नहीं है क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा रास्ता भटक रही है, उसका मुखिया पार्टी कार्यकताओं की आकांक्षाओं से जुड़ने में असमर्थ है, और वह संगठनात्मक चुनौतियों को समझने में अप्रभावी साबित हो रहा है। 1980 में भारतीय जनता पार्टी की शुरूआत के बाद, संस्थापक नेताओं ने दावा किया था कि एक अलग पार्टी का जन्म हुआ है। लेकिन उस समय वे एक बात भूल गये थे कि यह किस तरह से अलग हैः क्या यह मात्रात्मक या गुणात्मक अंतर था? इसमें कोई संदेह नहीं कि इसका पुराना संस्करण जनसंघ सांप्रदायिक था, लेकिन इसका नवीनतम संस्करण भाजपा न केवल सांप्रदायिक बल्कि फासीवादी भी है। पहली बार यह लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा में प्रकट हुआ, जिसने सांप्रदायिक भावना को भड़काया और पूरे देश में हिंसा को भड़काया। चौंकाने वाली बात यह है कि नरेंद्र मोदी के निरंकुश शासन में भारतीयों ने सांप्रदायिकता और नफरत की राजनीति का सबसे बुरा रूप देखा। सुशासन देने और विकास के गुजरात मॉडल को लागू करने के नाम पर मोदी ने न केवल देश की धर्मनिरपेक्ष और उदार छवि को धूमिल किया, बल्कि भाजपा को महत्वहीन और गैर-कार्यात्मक बना दिया। उन्होंने 'पार्टी विद डिफरेंस' के टैग को मिटा दिया। आज भारत को बदलने की क्षमता का धुंधलापन खत्म हो गया। भाजपा ने अपनी जड़ें खो दीं, लेकिन वह मोदी के 'भारत के लिए दृष्टिकोणज की एक विकृत अवधारणा का मुकाबला करने में बुरी तरह विफल रही। भाजपा ने अपना संगठनात्मक चरित्र खो दिया और मोदी के विचारों को प्रदर्शित करने वाले दीवार-पोस्टर में बदल गई, जिससे पार्टी को अस्तित्व के सबसे बुरे संकट का सामना करना पड़ा। लगभग सभी वरिष्ठ नेताओं को मार्गदर्शक खेमे में डाल दिये जाने के बाद पार्टी को दिशा देने वाला कोई वरिष्ठ नेता नहीं बचा। संगठनात्मक ढांचा पहले से ही चरमरा चुका है। ऐसे में नेताओं के लिए इसे पुनर्जीवित करना और दिशा देना वाकई मुश्किल काम है। मोदी के अतिशयोक्तिपूर्ण बयानों ने भारत की राजनीति को गंभीर नुकसान पहुंचाया है साथ ही इसने भाजपा को अप्रासंगिक बना दिया है। जो भारत के सामने खड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए कोई तंत्र विकसित करने के बारे में सोच भी नहीं सकती। मोदी भारत की समृद्ध सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता, इसकी परंपरा, मानव संसाधन की ताकत और युवाओं और महिलाओं की आकांक्षाओं की विरासत को संरक्षित करने के अपने बयानों के जरिये न केवल देश की जनता को बल्कि अपने पार्टीजनों को भी धोखा दे रहे हैं।

नेता के विचारों और नीतियों के उचित कार्यान्वयन के लिए पार्टी को एक मजबूत संगठनात्मक ढांचे की आवश्यकता होती है। लेकिन भाजपा के मामले में यह बिल्कुल अनुपस्थित है। मोदी ने पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को नफरत की राजनीति का आहार दिया है। संगठनात्मक चरित्र का नुकसान कार्यकताओं के उग्रवादियों और भाड़े के सैनिकों में बदलने से स्पष्ट है।

मोदी के दस साल के शासन में पार्टी कार्यकताओं का पतन हुआ है। लगभग सभी सांप्रदायिक दंगे और हिंसा में आरएसएस की मौजूदगी थी। लेकिन मोदी राज में हुई लिंचिंग जैसी घटनाएं आरएसएस की मदद करने से कहीं ज्यादा मोदी के हित में थीं, ताकि उन्हें हिंदू हृदय सम्राट के रूप में पेश किया जा सके। मोदी के चुनावी जादू को खोने के बाद, भाजपा को खुद को फिर से तलाशना होगा और अपनी प्रासंगिकता वापस हासिल करनी होगी। मोदी ने अपने बयानबाजी के जरिये जो लोकलुभावनवाद किया, उसमें पांच-टी शामिल थे- टैलेंट, ट्रेड, ट्रेडिशन, टूरिज्म और टेक्नालॉजी। भाजपा के सामने संगठनात्मक चुनौतियां बहुत हैं। बचे हुए नेतृत्व को समाधान के लिए मोदी की ओर देखने के बजाय अपनी रणनीति और तंत्र पर काम करना चाहिए।

अगर भाजपा वाकई राजनीतिक क्षेत्र में अपनी जगह बनाये रखना चाहती है, तो उसे प्रशासन का ऐसा इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए, जिसमें समाज के सबसे कमजोर तबके की भी देश के विकास में बराबर की हिस्सेदारी हो। सब कुछ इसी एक विचार से शुरू होता है और आगे बढ़ता है।

2022 में ही भाजपा ने पार्टी संगठन का पुनर्गठन शुरू कर दिया था। पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर नये चेहरे लाये थे, जो 2024 के लोकसभा चुनावों पर नजर रखते हुए किया गया था। लेकिन ये बदलाव नतीजे देने में विफल रहे, क्योंकि मोदी ने बदलावों को दरकिनार कर दिया और इसके कामकाज को निर्देशित करना जारी रखा। पार्टी तंत्र में सुधार की सख्त जरूरत है।

जिस तरह से मोदी अपने शिष्य जेपी नड्डा को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जारी रखने का इरादा रखते हैं, उससे निस्संदेह पार्टी के हितों को नुकसान होगा। एक नया अध्यक्ष नये विचारों और कार्यक्रमों के साथ आयेगा जो अंततः पार्टी की मदद करेगा। लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार ने इसे दिशाहीन बना दिया है। पार्टी ने गतिशीलता और उद्देश्य खो दिया है और यह पिछले महीने ही हुए विधानसभा उपचुनावों में पार्टी की हार से स्पष्ट हुआ। लगभग सभी राज्यों में पार्टी इकाइयां अव्यवस्थित हैं। गुटबाजी चरम पर है। यह उस पार्टी के लिए कुछ असामान्य बात है जो अनुशासन की अवधारणा पर दृढ़ता से विश्वास करती है। यह रेखांकित करता है कि पार्टी पहले से ही राज्य स्तर पर भी मोदी-केंद्रित संगठन बन गई है।

दोस्ती है जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम

अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस - 4 अगस्त 2024

-: ललित गर्ग

मित्रता हर रिश्ते में प्रेम, विश्वास एवं आत्मीयता का रस घोलती है। दोस्ती एक अनूठा एवं विलक्षण रिश्ता है, जिसमें हम बिना संकोच के अपनी वास्तविकता प्रकट कर देते हैं। यह रिश्ता कर्तव्यों, नियमों एवं बंधनों से मुक्त है। यह रिश्ता हमें स्वतंत्रता देता है, जिससे हम जैसे हैं, वैसे ही रह सकते हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री (मित्रता) दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे की भावना हर जगह एक ही है- मित्रता एवं दोस्ती का सम्मान। मैत्री का दर्शन बहुत विराट है, स्वस्थ निमित्तों की श्रृंखला में यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बिना किसी आग्रह एवं स्वार्थ के जो मैत्री स्थापित करता है, वह सबके कल्याण का आकांक्षी रहता है, सबके अभ्युदय में स्वयं को देखता है और उसके जीवन में विकास के नये आयाम खुलते रहते हैं। जीवन खूबसूरत प्रतीत होता है। इसमें अपने-पराये का भेद नहीं रहता, न प्रतिस्पर्धा और न छोटे-बड़े की सीमा-रेखा होती है। वास्तव में मित्र उसे ही कहा जाता है, जिसके मन में स्नेह की रसधार हो, स्वार्थ की जगह परमार्थ की भावना हो, ऐसे मित्र सांसों की बांसुरी में सिमटे होते हैं, ऐसे मित्र संसार में बहुत दुर्लभ हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की, विभीषण और श्रीराम की दोस्ती इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है। सूरदास ने कहा है कि मित्रता का रिश्ता जीवन का सबसे मधुर रिश्ता होता है, जो जीवन में उत्कृष्टता का द्वार खोलता है।

अंतरराष्ट्रीय मैत्री दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता है, दक्षिण अमेरिकी देशों से शुरू हुआ यह त्योहार उरुग्वे, अर्जेंटीना, ब्राजील में 20 जुलाई को, पराग्वे में 30 जुलाई को, जबकि भारत, मलेशिया, बांग्लादेश आदि दक्षिण एशियाई देशों सहित दुनियाभर के बाकी देशों में यह अगस्त महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। दोस्ती वह रिश्ता है जो आप खुद तय करते हैं, जबकि बाकी सारे रिश्ते आपको बने-बनाये मिलते हैं। जरा सोचिए कि एक दिन अगर आप अपने दोस्तों से नहीं मिलते हैं, तो कितने बेचैन हो जाते हैं और मौका मिलते ही उसकी खैरियत जानने की कोशिश करते हैं। आप समझ सकते हैं कि यह रिश्ता कितना खास है। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा कि ह्लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वह मित्रता का पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं ह्व हमें दोस्ती के नये मूल्य-मानक गढ़ने हैं, मित्रता को जीवन में सार्थक रूप में स्थापित करना है। मित्रता प्रेम का नहीं बल्कि करुणा का पर्याय होनी चाहिए। क्योंकि प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार हैं जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। आज जिस तकनीकी युग में हम जी रहे हैं, उसने लोगों को एक-दूसरे से काफी करीब ला दिया है। लेकिन साथ ही साथ इसी तकनीक ने हमसे सुकून का वह समय छीन लिया है जो हम आपस में बांट सकें। आज हमने पूरी दुनिया को तो मुट्ठी में कैद कर लिया है, लेकिन इसके साथ ही हम खुद में इतने मशगूल हो गये हैं कि एक तरह से सारी दुनिया से कट से गये हैं। नयी सभ्यता एवं नयी संस्कृति में ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं को नई ऊर्जा देने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय फ्रेंडस दिवस मनाया जाना एक सार्थक उपक्रम है। दोस्ती के सुखद रिश्ते के पांच मूलमंत्र है-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को स्वीकार करना। एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और सम्मान करना। रिश्ते में हल्कापन और खुशी बनाए रखना। एक-दूसरे के प्रति विश्वास और ईमानदारी रखना। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समय और ध्यान देना। इन मत्रों को अपनाकर हम एक आदर्श दोस्ती स्थापित कर सकते हैं। क्योंकि दोस्ती ही एक ऐसा रिश्ता है जो वार्तमानिक परिवेश में जबकि मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- ह्यह्यपहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना ह्लह्ल दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। मित्रता दिवस दोस्ती को अभिशाप नहीं, वरदान बनाने का उपक्रम है। यह दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि दोस्ती में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह। क्रांति निर्माण की दस्तक है, विद्रोह बरबादी का संकेत।

मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। इसीलिये अमरीकी लेखिका हेलेन केलर ने कहा है कि मैं अकेले उजालें में चलने के बजाय अंधेरे में एक दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।

हमें तन्हाई का कोई साथी चाहिए, खुशियों का कोई राजदार चाहिए और गलती पर प्यार से डांटने-फटकराने वाला चाहिए। यदि यह सब खूबी किसी एक व्यक्ति में मिले तो निःसन्देह ही वह आपका दोस्त होगा, मित्र होगा। वही दोस्त, जिसके रिश्ते में कोई स्वार्थ या छल-कपट नहीं बल्कि आपके हित, आपके विकास, आपकी खुशियों के लिये जिसमें सदैव एक तड़फ एवं आत्मीयता रहेगी। यों तो भारतीय संस्कृति और इतिहास में त्योहारों की एक समृद्ध परम्परा है, लेकिन अब हमारे देश में अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं प्रचलन से इसमें इजाफा हुआ है। अब हर दिन कोई-न-कोई पर्व, त्योहार या दिवस होता है। हमने फ्रेण्डशिप दिवस जैसे अनेक नये या आयात किये हुई पर्व एवं दिवसों को हमारी संस्कृति और जीवनशैली का हिस्सा बना लिया है। फ्रेण्डशिप दिवस यानी मित्रता दिवस, सभी गिले-शिकवे भूल दोस्ती के रिश्ते को विश्वास, अपनत्व एवं सौहार्द की डोर से मजबूत करने का दिन।

प्रेषक
(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोनः 22727486,

हम गुलामी की अंतिम हदों तक लड़ेंगे

– सर्वमित्रा सुरजन

राहुल गांधी जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं ताकि जातिगत उत्पीड़न और भेदभाव को दूर करने की शुरूआत हो सके। जब जनगणना होगी तो आंकड़े सामने आ जाएंगे कि देश में पिछड़ों की असल आबादी कितनी है और सरकारी योजनाओं के लाभ में उनकी हिस्सेदारी कितनी है। शैक्षणिक, व्यावसायिक क्षेत्रों में उनकी भागीदारी कितनी है। किन जातियों को आरक्षण की वाकई जरूरत है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बाकायदा ऐलान कर दिया कि हम जाति जनगणना करवा कर रहेंगे। यह बात कांग्रेस के घोषणापत्र में थी और राहुल गांधी ने अपने लगभग सभी चुनावी भाषणों में भी इस बात का जिक्र किया ही है। जब तक जातिवार गिनती की बात सड़क पर हो रही थी, भाजपा को इससे डर नहीं लग रहा था क्योंकि उसे विश्वास था कि वह इस मुद्दे से भी जनता का ध्यान भटका ही लेगी। लेकिन जिस तरह संविधान के मसले पर भाजपा चुनावों में घिर गई और उसके अपने सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के उठाए इस मुद्दे पर ठीक से बचाव नहीं किया गया, इसलिए भाजपा को नुकसान हुआ है, उसी तरह का नुकसान अब जातिगत जनगणना के मुद्दे पर भी होता हुआ नजर आ रहा है। राहुल गांधी के ऐलान का जवाब देने की कोशिश में पहला सेल्फ गोल भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने दागा, उन्होंने सदन के भीतर कहा कि जिनकी अपनी जाति का पता नहीं, वे जाति जनगणना की बात कर रहे हैं। इस बयान पर मंगलवार से लेकर बुधवार तक विपक्ष ने संसद में खूब विरोध किया। अखिलेश यादव ने बाकायदा सवाल उठाया कि आप सदन के भीतर जाति कैसे पूछे सकते हैं। लेकिन अखिलेश यादव शायद भूल गए कि जो पार्टी सदन के भीतर धर्म के आधार पर साथी सांसद को अपशब्द सुना सकती है, वह जाति भी पूछ सकती है। बहरहाल, अनुराग ठाकुर के बयान के कुछ हिस्से को संसदीय कार्रवाई से हटा दिया गया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस पूरे बयान को अपने एक्स प्लेटफार्म पर शेयर करके, इसकी तारीफ करके दूसरा सेल्फ गोल कर दिया।

सियासी ओलम्पिक में हम सबसे आगे

मुझे पेरिस में हो रहे ओलम्पिक खेलों में भारत की उपलब्धियों पर लिखना चाहिए, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा, क्योंकि इस समय देश में संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का सियासी ओलम्पिक चल रहा है उसे देखकर देशवासी दांतों तले उँगलियाँ दबाने को विवश हैं। सियासी ओलम्पिक में लाशों पर राजनीति है, गलियों पर राजनीति है और तो और राजनीति में भी राजनीति है। फर्क एक ही है कि पेरिस ओलम्पिक में दुनिया के खिलाड़ी अपने-अपने देश का नाम ऊंचा करने के लिए खेल रहे हैं जबकि सियासी ओलम्पिक में हम देश का नाम डुबोने के लिए खेल रहे हैं। दुर्भाग्य ये कि ये खेल लगातार जारी है। पूरे दस साल से जारी है। देश की संसद में वायनाड की त्रासदी गूंजी, लेकिन वहां भी सियासत त्रासदी पर हावी रही। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने शाही अंदाज में कहा कि केरल सरकार ने बाढ़ की पूर्व सूचना की अनदेखी की, इस वजह से इतना बड़ा हादसा हुआ। सरकार ने बड़ी दरियादिली से कहा कि हम पीड़ितों के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं, लेकिन ये चट्टान केरल सरकार की इतनी मदद कर रही है, ये कोई नहीं जानता। वायनाड में मरने वालों की संख्या 250 को पार कर गयी है। केरल के मुख्यमंत्री ने अमित शाह के बयान को 'ब्लैक गेम' कहा है। जाहिर है कि सियासत को लाशें ही अच्छी लगतीं हैं। देश की राजधानी दिल्ली में अभी हाल ही में एक तलघर में पानी भरने से संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 3 युवक-युवतियों की मौत हो गयी थी, कल फिर एक माँ-बेटे को बाढ़ का पानी लील गया। वायनाड तो दिल्ली से दूर है लेकिन जब दिल्ली में ही बाढ़ और वर्षा की पूर्व सूचनाओं के बावजूद जान-माल महफूज नहीं है तो किसे क्या कहा जाये ? देश सरकार के नहीं, राम के भरोसे चल रहा है। राम के भरोसे इसलिए चल रहा है क्योंकि सत्ता पर रामभक्त काबिज है। उनसे खुद नहीं चला जा रहा। वे बैशाखियाँ लगाकर चलने और देश को चलाने की कोशिश कर रहे हैं। जब मै सियासी ओलम्पिक की बात करता हूँ तो पूरी ईमानदारी से करता हूँ, क्योंकि मै आम आदमी के मन की बात करता हूँ। देश की संसद में इन दिनों जाति की सियासत चल रही है। सत्तारूढ़ दल के एक पूर्व मंत्री ने जब लोकसभा में विपक्ष के नेता को लक्ष्य कर कहा कि- जिन लोगों को अपनी जाति का पता नहीं है, वे जातीय जनगणना की बात करते हैं। सवाल करने वाले सज्जन अनुराग ठाकुर है। उनके पिता हिमाहल के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, मै अनुराग को सज्जन इसलिए कहता हूँ क्योंकि उनके मुखारबिंद से सज्जनता मोतियों की तरह टपकती है। वे संसद में अपने संसदीय शब्दकोश का मुजाहिरा करने से पहले दिल्ली की सड़कों पर 'गोली मारो सालों को' का आव्हान भी कर चुके हैं। अनुराग यदि सज्जन न होते तो क्या मुमकिन था कि देश का प्रधानमंत्री अनुराग के 'जाति ही पूछो' वाले बयान को अपने एक्स खाते पर दर्ज कर देश की जनता से कहते कि 'बार-बार देखो, हजार बार देखो, क्योंकि देखने की चीज है अनुराग का बयान। प्रधानमंत्री जी ने हद तो तब कर दी जब उन्होंने ठाकुर के बयान के उस हिस्से को निर्भय होकर उद्धृत कर दिया जिसे लोकसभा की कार्रवाई से निकाला जा चुका है। यानि ये सीधे-सीधे लोकसभा के विशेषाधिकार हनन का मामला है। कांग्रेस इसका संज्ञान भी ले रही है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि सर्वाधिकार प्राप्त प्रधानमंत्री के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन के नोटिस का नोटिस लोकसभा के अध्यक्ष लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष पहले ही सदन में अपने पक्षपाती रवैये के चलते अपनी मिटटी कुटवा चुके हैं।

मुझे लगता है कि इस समय यदि पंडित अटल बिहारी बाजपेयी और पंडित जवाहर लाल नेहरू की आत्माएं कहीं बैठकर गुफ्तगू कर रहीं होंगी तो अनुराग ठाकुर के बयान पर ही नहीं बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के एक्स टिपण्णी पर भी अपना माथा पीट रहीं होंगी। क्योंकि दोनों ने ही भारत की ऐसी संसद की कल्पना नहीं की होगी जैसी की आज है। आज की संसद में सब कुछ है, सिवाय मयार्दा के। मयार्दा की चादर का एक कोना सत्ता पक्ष के हाथ में होता है और दूसरा कौना विपक्ष के हाथ में। विपक्ष मयार्दा का कौना कसकर पकडे भी तो सत्तापक्ष उसे ढील दे देता है। सत्ता पक्ष की और से अनुराग ने ही मयार्दा भंग नहीं की है, इसके पहले भी सत्रहवीं लोकसभा में अनुराग की आत्मा एक बिधूड़ी में प्रवेशकर न जाने क्या-क्या अन्य-बांय बोल गयी थी। लेकिन न तब कुछ हुआ और न अब कुछ होगा। संसदीय कार्य मंत्री अब किस मुंह से अपने प्रधानमंत्री जी से सवाल करेंगे। क्योंकि सदन की विधियों का ज्ञान तो उन्हें भी शायद उतना ही है जितना की संसदीय कार्यमंत्री किरण रिज्जू की नजर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को है। भारत 'जातीय मकड़जाल में आज से नहीं बल्कि त्रेता युग से फंसा है।

हर तरह की त्रासदियों का देश भारत

@ राकेश अचल

भारत त्रासदियों का देश है। यहां कभी संसद के भीतर त्रासदी होती है तो कभी संसद के बाहर। कभी हाथरस में त्रासदी होती है तो कभी केरल के वायनाड के चूरलामाला इलाके में। कहीं कोई भगदड़ से मरता है तो कहीं कोई भूस्खलन से, लेकिन इन त्रासदियों के लिए कोई दोषी नहीं ठहराया जाता। गनीमत ये है कि केरल सरकार ने चूरलामाला की त्रासदी के बाद राज्य में दो दिन का रजकीय शोक घोषित किया है। उत्तर प्रदेश में हाथरस हादसे के बाद ऐसा निर्णय नहीं हुआ, क्योंकि उत्तर-प्रदेश में राम राज है और केरल में नही।

मंगलवार को तड़के हुई वर्षा और भूस्खलन वायनाड के चार गांवों के लिए अमंगल लेकर आया। अचानक पानी का बहाव बढ़ा और पहाड़ों ने धसकना शुरू कर दिया। पहाड़ों के मलवे ने पहाड़ों की तलहटी में बसे चार गांवों को देखते ही देखते श्मशान में बदल दिया। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस प्राकृतिक हादसे में 122 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है । राहत -बचाव कार्य जारी है। आपदाग्रस्त इलाके के पूर्व सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन ने प्रियनका वाड्रा भी पीड़ितों तक पहुँचने के लिए तैयार बैठे रहे लेकिन राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने उन्हें खराब मौसम की वजह से वहां जाने से रोक दिया।

आपदाएं कहकर नहीं आतीं। न दिल्ली में और न हाथरस में और न वायनाड में। तमाम त्रासदियों यनि आपदाओं के लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। हम प्रकृति के खिलाफ खड़े होकर उसे लगातार उसे चुनौतियाँ दे रहे हैं। लेकिन हम जानते हैं कि प्रकृति सबसे अधिक बलवान होती है। उससे नहीं जूझा जा सकता। हमेशा की तरह इन त्रासदियों के पीड़ितों के बीच माननीय नहीं गए । वे खुद इस समय सबसे बड़ी सियासी आपदा से जूझ रहे हैं। वे मणिपुर नहीं गये। हाथरस नहीं गए। जाकर करेंगे भी क्या ? उनके हाथ में तो कुछ नहीं है। वे भले ही अपने आपको भगवान का अवतार मानते हों लेकिन वे अवतार तो नहीं हैं।

वायनाड त्रासदी में फंसे लोगों की सेवा में सेना और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के जवान लगे है। वहां राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ का कोई प्रशिक्षित कार्यकर्ता नहीं है। होता तो भी शायद वो कुछ कर नहीं पता क्योंकि आजकल संघ ने सेवा कार्यों से अवकाश ले रखा है। संघ प्रमुख इन दिनों भाजपा को उत्तर प्रदेश ,हरियाणा,महाराष्ट्र और झारखण्ड में बचाने में लगे हैं। केरल में डबल इंजिन की सरकार नहीं है। केरल सरकार भी मुमकिन है कि पीड़ितों को अपेक्षित सहायता न पहुंचा पायी हो, लेकिन केंद्र की सनातनी सरकार ने भी वायनाड के पीड़ितों के लिए अपना खजाना नहीं खोला। ये खजाना तो सरकार को समर्थन देने वाली टीडीपी और जेडीयू को मिनिमम समर्थन मूल्य देने के लिए खुलता है।

मैंने हाल ही में कहा था की हमारे देश में मानव जीवन की कोई कीमत तय नहीं है। हम सब कीड़े-मकोड़े है। सरकार त्रासदियों के समय मरने वालों को 50 हजार रुपए दे या पांच करोड़ रुपए, ये उसकी मर्जी है। फिर केरल वाले तो दिल्ली की आंख की किरकिरी हमेशा से रहे हैं। केरल ने आजतक भाजपा का साथ नहीं दिया ऐसे में दिल्ली वायनाड के पीड़ितों को सहायता कैसे दे सकती है।? वायनाड से जो तस्वीरें आ रहीं हैं, वे हृदयविदारक हैं। लोग कीचड़ में, मलबे में दबे हैं। इन लोगों को मदद की जरूरत है। जिन अभागों तक मदद नहीं पहुँच सकी वे मारे जा चुके हैं। लेकिन हमारा देश, हमारी संसद, वायनाड त्रासदी के मुकाबले दिल्ली की त्रासदी पर सियासत में उलझी हुई है।

मुझे वायनाड की तस्वीरें देखकर महाराष्ट्र का लातूर याद आ रहा है। 1993 में भूकंप ने लातूर को तबाह कर दिया थ। 2024 में भूस्खलन ने वायनाड के चार गांवों को जमीदोज कर दिया है। मुमकिन है कि ये हादसा इस इलाके का प्रारब्ध हो और मुमकिन है कि इस हादसे के लिए केरल की राज्य सरकार जिम्मेदार हो। केरल में भले ही सनातनियों की सरकार नहीं है लेकिन उसे लोगों के सुख-दुःख का पता है। केरल सरकार ने दो दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। वैसे ये राष्ट्रीय शोक है। इस हादसे पर संसद में उसी तरह श्रृद्धांजलियाँ अर्पित कि जाना चाहिए जिस तरह पिछले दिनों दुसरे मृतकों के लिए किया गया था। प्रकृति का रौद्र रूप हमने हिमाचल में भी देखा है इसलिए हम चाहते हैं कि वर्षा ऋतु में आपदाओं से निबटने के लिए एक समान और व्यापक नीति बनाई जानी चाहिए।

अटल भूजल योजना की डीएम ने मांगी प्रगति

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को अटल भूजल योजना समीक्षा बैठक में अटल भूजल योजना नोडल अधिकारी ने बताया कि अटल भूजल योजना 25 दिसंबर 2019 से शुरू हुई है। ये एक पंचवर्षीय योजना है। भारत सरकार से संचालित ये योजना उत्तर प्रदेश के दस जिलों में चल रही है। चित्रकूट की 75 गांव में लागू है। पब्लिक लाइन डिपार्टमेंट से किये कार्यों के बारे में जिलाधिकारी को बताया।

गुरुवार को कलेक्टेट्रट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए

बैठक में निर्देश देते डीएम।

जिलाधिकारी ने जिला उद्यान अधिकारी व भूमि संरक्षण अधिकारी इकाई प्रथम, द्वितीय व तृतीय को अभी तक अटल भूजल योजना के इन्सेन्टिव मद से किये कार्यों की प्रगति रिपोर्ट समेत मुख्य विकास अधिकारी को आख्या समेत देने को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने लघु सिंचाई अभियंता को निर्देश दिये कि तालाबों में इनलेट सही बनना चाहिए। जिला उद्यान अधिकारी को निर्देश दिये कि स्प्रिंकलर पाइप आदि किसानों को दिये जाते हैं। खसरा खतौनी का सत्यापन सही से करें, ताकि शिकायत न आये। मौजूद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन से निर्धारित टाइमलाइन में लक्ष्य को प्राप्त करें, ताकि शासन से शिकायत न आये। बैठक में सीडीओ श्रीमती अमृतपाल कौर, अटल भूजल योजना नोडल अधिकारी सौरभ सरोज व सम्बन्धित लाइन डिपार्टमेंट से उपायुक्त श्रमरोजगार धर्मजीत सिंह, जिला उद्यान अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत सुधीर कुमार, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई प्रमोद मिश्रा, खंड विकास अधिकारी रामनगर, मऊ, कर्वी, मानिकपुर, वन विभाग से क्षेत्राधिकारी, भूमि संरक्षण इकाई से भूमि संरक्षण अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय व अटल भूजल योजना से एग्रीकल्चर एक्सपर्ट दिलीप कुमार श्रीवास्तव, डीईओ अवधेश कुमार आदि मौजूद रहे।

हरदोई में अधिवक्ता की हत्या पर वकीलों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला कचहरी परिसर में वकीलों ने बैठक कर हरदोई में अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या मामले में आक्रोश जताया। एडवोकेट काउंसिल के जिला प्रभारी रामप्रकाश पाण्डेय एड ने कहा कि अधिवक्ता काफी समय से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने को एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग कर रहे थे। शासन के आश्वासन व कमेटी गठित के बाद लागू नहीं हुआ।

गुरुवार को हुई बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता कनिष्क मेहरोत्रा की हत्या की निन्दा करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आनन्द मिश्रा ने कहा कि कनिष्क मेहरोत्रा के हत्यारों को पकड़कर

आक्रोश जताते वकील।

कानूनी कार्यवाही कर मृतक आश्रितों को पचास लाख व नौकरी दी जाये। बैठक में शामिल खासतौर से अनिल त्रिपाठी, कुंवर रोहित सिंह, नरेन्द्र सिंह लल्ला, देवशरण मिश्रा, सुरेन्द्र पयासी, लवकुश गौतम, पुस्तकालय मंत्री विक्रम सिंह, अरुण टाइगर, लक्ष्मण कुशवाहा, आशीष शुक्ला, विकास निगम, माधव विश्वकर्मा, अनूप सिंह बघेल, ज्ञान सिंह पटेल, अजीत कुमार समेत आधा सैकड़ा अधिवक्ता मौजूद रहे।

दम्पति में विवादः पुलिस ने कराई सुलह

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने के प्रयास में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र में पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर दम्पति में सुलह कराई।

गुरुवार को कोतवाली कर्वी के लौंदियाखुर्द की श्रीमती रेनू पुत्री शंकरदयाल ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे पत्र में कहा कि पति धर्मराज पुत्र लल्लू यादव ममसीखुर्द थाना कमासिन जिला बांदा व ससुरालीजन गाली- गलौज कर मारपीट कर प्रताड़ित करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने पत्र निस्तारण को प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र भेजा। केन्द्र प्रभारी श्रीमती गुड्डी देवी, महिला सिपाही शिवांगनी श्रीवास्तव, महिला सिपाही मंजूलता पाल ने शिकायत को सुन-समझकर दूसरे पक्ष को पुलिस कार्यालय बुलाया। दोनों पक्षों को भविष्य में विवाद न करने व पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति ने तालमेल से रहने का भरोसा दिया।

शिक्षकों ने उठाई सफाई कर्मियों के न आने की समस्या

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। खंड शिक्षाधिकारी को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक ब्लॉक इकाई मऊ ने बीआरसी में पेयजल व बिजली व्यवस्था बाबत तथा परिषदीय विद्यालयों में सफाई कर्मियों के न आने से हो रही समस्या बाबत ज्ञापन सौंपा।

गुरुवार को शिक्षकों ने खंड शिक्षाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा कि सफाई कर्मियों के महीनों से विद्यालय न आने से बच्चों को शौचालय जाने में समस्या हो रही है। विद्यालय परिसर की सफाई तो शिक्षक करवा लेते हैं। शौचालय की सफाई को कोई गांव का व्यक्ति तैयार नहीं होता। जो पहले सफाई करते थे, वह सफाई कर्मियों की नियुक्ति बाद शौचालय साफ करने से मना कर रहे हैं। इससे बच्चों

खंड शिक्षाधिकारी को ज्ञापन देते शिक्षक।

को बीमार होने व संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा है। उन्होंने मांग किया कि समस्या का समाधान कराया जाये। इस मौके पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष आलोक गर्ग, ब्लॉक अध्यक्ष बीरभान, ब्लॉक उपाध्यक्ष दिलीप शुक्ला, ब्लॉक मंत्री शारदेंदु शुक्ला, ज्ञान सिंह, देवपाल सिंह, अजय सिंह, अजय भारतीय, सुशील विश्वकर्मा समेत सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

तीर्थक्षेत्र में श्रद्धालुओं से न हो दुर्व्यवहारः डीआईजी

डीआईजी का दो दिवसीय दौरा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चित्रकूटधाम मंडल के डीआईजी अजय कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के साथ पुलिस कार्यालय का भ्रमण कर सभी शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण बाद उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ गोष्ठी की।

गुरुवार को डीआईजी अजय कुमार सिंह ने एसपी अरुण कुमार सिंह के साथ जनप्रतिनिधियों के साथ हुई गोष्ठी में जनता की समस्याओं बाबत जानकारी ली। कर्वी शहर, तीर्थक्षेत्र समेत समस्यायें

जनप्रतिनिधियों से वार्ता करते डीआईजी।

बताई। डीआईजी ने सभी समस्याओं के समाधान के प्रति आश्वस्त किया। उन्होंने पुलिस पेंशनर के साथ गोष्ठी में समस्यायें पूंछी। जल्द निदान के निर्देश दिये। पेंशनर आफिस का जल्द निर्माण कराने को कहा। गोष्ठी बाद पत्रकारों से हुई चर्चा में पत्रकारों की समस्याओं के निस्तारण का भरोसा दिया। दो दिवसीय भ्रमण की जानकारी दी। जिले के राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ हुई गोष्ठी में अपराध नियंत्रण बाबत दिशा-निर्देश दिये। लम्बित विवेचनाओं जल्द निस्तारण के निर्देश दिये। आईजीआरएस व जन शिकायत प्रकोष्ठ में आने वाली शिकायतों बाबत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। वांछित-वारंटी की गिरफ्तारी तथा न्यायालय में विचाराधीन मामलों की पैरवी को निर्देश दिये। कहा कि तीर्थक्षेत्र में श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। जिले में यातायात व सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। टैक्सी-ई-रिक्शा चालकों पर ध्यान दें कि किसी श्रद्धालु से दुर्व्यवहार न करें। उचित किराया लें। इस मौके पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी राजकमल, प्रतिसार निरीक्षक शिवनारायण, पीआरओ डीआईजी मिथलेश कुमार सिंह, सीएडीआईजी महेश प्रसाद सिन्हा, प्रभारी सोशल मीडिया/साइबर सेल निशीकान्त राय, वाचक परितोष दीक्षित, स्टेनो विनोद मिश्रा, प्रधान लिपिक अनिल मोहन शुक्ला, प्रभारी आंकिक शमसुद्दीन, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

किसानों को लागत से पचास फीसदी का दें लाभः विधायक

विधायक ने विधानसभा में सरकार को घेरा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सदर विधायक अनिल प्रधान ने विधानसभा में किसानों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब तक अन्नादाता दुखी रहेगा, देश कैसे महान बनेगा। हर दशा में किसान खेतों की रखवाली व पैदावार बढाने के प्रयास करता है।

ठंड, बरसात, सूखा, बाढ, बिजली कटौती, नहर बन्द होने की समस्या झेलते हुए उत्पादन करता है। किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग करने पर लाठी-गोली खानी पडती है। खाद की किल्लत को किसान मारा-मारा फिरता है।

गुरुवार को मानसून सत्र में विधानसभा में उठाये प्रश्न में सदर विधायक अनिल प्रधान ने कहा कि आकांक्षी जिला होने से किसानों को खाद-बीज व कीटनाशक तथा यंत्रों की खरीद में 18 से 28 फीसदी जीएसटी लगती है। किसान जब फसल बेंचने जाता है तो जीएसटी जोडकर न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना चाहिए। सरकार किसानों की फसल में 18 फीसदी जीएसटी जोडकर समर्थन मूल्य से फसलें खरीदेगी। डीएपी व यूरिया खाद कम कर किसानों को दी जा

सदर विधायक अनिल प्रधान।

रही है। क्या सरकार किसानों का पूरा कर्जा माफ करेगी।

उन्होंने भारतरत्न स्वामीनाथन की शिफारिश लागू कर किसानों के आर्थिक उत्थान को न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग उठाई। किसानों को लागत से पचास फीसदी लाभ जोडकर देने की बात कही। जिला अस्पताल सोनेपुर में एमआरआई मशीन न होने से मरीजों को अन्य जगहों पर जांच को जाना पड़ता है। लोगों को दिक्कतें होती हैं। जिला अस्पताल में एमआरआई मशीन लगने से दूर-दराज से आये मरीजों को लाभ मिले।

आईसोलेशन वार्ड की स्थापना न होने से जहर व सर्पदश के मरीजों को प्रयागराज भेजा जाता है। रेफर मरीजों को प्रयागराज ले जाते समय खोह रेलवे क्रासिंग व जसरा रेलवे क्रासिंग पर कई घंटे जाम में फंसने से समय से न पहुंचने से प्रति वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु हो जाती है। दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों से आये मरीज के साथ परिजन हताश व निराश रहते हैं। इस बारे में जिला अस्पताल सोनेपुर में आईसोलेशन वार्ड बनाया जाये। उन्होंने विधानसभा में कर्वी कोतवाली के चित्रकूट इंटर कॉलेज में बुन्देलखण्ड महोत्सव के दूसरे दिन 14 फरवरी को शाम चार बजे विस्फोटक सामग्री में हुए हादसे में चार बच्चों की मौत के जिम्मेदारों पर कोई कार्यवाही न होने का मुद्दा उठाया। इतनी बड़ी घटना होने के बाद आयोजक व जिला प्रशासन पर कार्यवाही क्यों नहीं हुई। जांच के नाम पर झुनझुना क्यों पकड़ाया गया। घटना की जांच में और कितना समय लगेगा।

खेत में ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर थाने के गनीवा चैकी के कंधवनिया गांव का किसान खेत में धान लगाने को ट्रैक्टर से अहली कर रहा था। अचानक ट्रैक्टर पलटने से उसकी दबकर मौत हो गई। ट्रैक्टर में बैठा युवक बाल-बाल बच गया।

ये हादसा गुरुवार को दोपहर में कंधवनिया गांव में हुआ। बताया गया कि किसान अशोक कुमार सिंह (40) पुत्र शम्भूशरण सिंह धान के लिए खेत तैयार कर रहा था। अचानक ट्रैक्टर मोड़ते

मृतक की फाइल फोटो।

समय आगे का हिस्सा उठने पर ट्रैक्टर पलट गया। अशोक की दबने से मौत हो गई। ट्रैक्टर पर बैठे संजय (25) पुत्र प्रकाश बाल-बाल बच गया। पड़ोस के खेतों में काम कर रहे किसानों ने देखा तो लोगों को बुलाकर मशक्कत से अशोक के शव को बाहर निकाला। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। निजी वाहन से अशोक को सीएचसी राजापुर लाये। डॉक्टरों के मृत घोषित करने पर चैकी इंचार्ज यदुवीर सिंह ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है। मृतक अशोक दो भाइयों में बड़ा था। चार पुत्रियां हैं। परिजनों का रो-रोकर हाल बुरा हैं।

गौवंश संरक्षित न होने पर होगी कार्यवाहीः बीडीओ

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। जिला मुख्यालय से लेकर जिले में अन्ना गौवंशों की तादाद में तेजी से बढोत्तरी हुई है। जगह-जगह आवारा गौवंश के झुंड दिखाई दे रहे हैं। इन झुंडों को देखकर किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। चार महीने से आवारा गौवंश नहीं दिखाई दे रहे थे। अचानक बढ़ोत्तरी होने से सभी लोग परेशान हैं।

गुरुवार को अन्ना गौवंश जगह-जगह देखने को मिले। जिस किसान के खेत में अन्ना गौवंश झुंड के झुंड घुस जाते हैं, फसल को खाने के बाद तहस-नहस कर देते हैं। सड़क पर घूमते अन्ना गौवंश ब्लाक मुख्यालय व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहाड़ी,

सडक पर टहलते अन्ना गौवंश।

बस स्टैंड, नांदी हनुमान रोड में खड़े दिखाई देते हैं। शासन ने इन्हें संरक्षित करने को कई बार आदेश दिये हैं। देर शाम होते ही ये अपने झुंड के साथ सड़कों पर आ जाते हैं। लोगों के हादसे का का खतरा बढ़ जाता है। कभी-कभी आपस में गौवंश लडने लगते है। इससे राहगीर टकरा जाते हैं व चुटहिल हो जाते हैं। इस बाबत बीडीओ दिनेश कुमार ने बताया कि त्रिस्तरीय समिति से पत्राचार किया है। गौवंशो को गौशाला मे सुरक्षित करें। विकास खण्ड पहाड़ी की 80 ग्राम पंचायत के सापेक्ष 77 गौशाला बनी हैं। 6572 गौवंश संरक्षित हैं। जिन गांव की गौशाला में गौवंश संरक्षित नहीं हैं, उन्हे नोटिस देकर कार्रवाई की जायेगी।

बेकाबू डम्फर नाला तोड घर में घुसा

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर कस्बे के डाक बंगले के पास गिट्टी लदे बेकाबू डम्फर नाले को तोड़ते हुए घर में घुस गया। इससे लोग बाल-बाल बचे हैं।

ये हादसा गुरुवार को सवेरे छह बजे हुआ। बताया गया कि बाईपास की ओर जा रहा गिट्टी लदा डम्फर चालक दिनेश पुत्र उमाशंकर सिकरो मऊ को नींद लग गई। बेकाबू डम्फर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच के बनाये नाले को तोड़ते हुए मुन्ना पुत्र केशव याज्ञिक के भारजे से टकराकर पान के डिब्बे को तोड़ते हुए घर में घुस गया। वहां बैठे हरिनारायण पुत्र देवीदीन

घर में घुसा डम्फर।

को मामूली चोटे आईं। परिजनों ने प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराया। राजापुर उद्योग व्यापार मंडल के व्यापारियों ने कहा कि पिछले माह देवी तिराहे के पास संजय इलेक्ट्रानिक की दुकान में ट्रक बेकाबू होकर घुसा था। दुकानदार समेत राहगीर बाल-बाल बचे थे। आज डम्फर चालक की लापरवाही से दो परिवार बाल-बाल बचे हैं। कस्बे के भीड़भाड़ क्षेत्र से राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण होने से आये दिन हादसों की आशंका रहती है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना को कस्बे के बाहर बाईपास रोड बनने से हादसे नही होंगे। कस्बे के बाहर से बाईपास बनाने की मांग किया।

विद्युत एसडीओ पर कार्यवाही को डीएम से मिले ग्रामीण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर तहसील के गढचपा गांव के मजरा जरका पुरवा के ग्रामीण महेश, तुलसी, चुन्नीलाल, बदरी, राममिलन, रामप्रकाश, लवकुश, वीरेन्द्र, रामकल्याण, राम प्रसाद, रामबदन कोल, राजेश, रमेश, पप्पू आदि ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में कहा कि विद्युत विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों ने पांच हजार रुपये प्रति घर के हिसाब से पैसा वसूलने के बाद विद्युत तार व ट्रांसफार्मर नहीं लगाये। विद्युत विभाग ने अवैध ढंग से विद्युत बिल भेजकर उनका आर्थिक, मानसिक शोषण किया है। ग्रामीणों ने मांग किया कि विद्युत विभाग के एसडीओ आशीष कुमार व विभागीय साथियों के साथ जरका पुरवा के ग्रामीणों से विद्युत तार व ट्रांसफार्मर लगवाने के नाम पर पांच हजार रुपये प्रति घर से वसूल किया है। आज तक विद्युत विभाग ने खम्भों में विद्युत तार व ट्रांसफार्मर नहीं लगाया। हर रोज किसानों को विद्युत तार व ट्रांसफार्मर को विभाग के चक्कर लगवाते हैं।

खम्भों में विद्युत तार व ट्रांसफार्मर लगवाये बिना विद्युत बिल भेजकर किसानों को परेशान करते है। विद्युत विभाग की लापरवाही से किसानों की बोई फसल नष्ट हो रही है। किसान भुखमरी की कगार पर पहुंच गये हैं। इस दशा में अवैध ढंग से पैसा वसूलने वाले विद्युत विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाये।

तुलसी जन्मोत्सव आज, तैयारियां जोरों पर

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के जन्म भूमि राजापुर में 527वीं जयंती की तैयारियां जोरों पर जारी हैं। शुक्रवार को तुलसी जन्म कुटीर से भव्य कलश यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली जायेगी। रात में तुलसी चरित्र पर आधारित लीलाओं का मंचन होगा। तुलसीदास की धर्मपत्नी रत्नावली के गांव महेवा घाट कौशाम्बी में भी भिन्न प्रकार से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

गुरुवार को तुलसी जन्म महोत्सव के आयोजक ओम नमः शिवाय गौशाला बंसीवट वृंदावन के संत रामदास महाराज ने बताया कि तुलसी जन्म महोत्सव के पहले दिन सवेरे दस बजे से मां कालिंदी की पूजा बाद 108 महिलायें कलश यात्रा पूरे कस्बे में गाजे-बाजे से निकालेगी। आम जनता से तुलसी जन्म महोत्सव में सहभागिता को अपील की जायेगी। तुलसी जन्म महोत्सव पर नौ दिनों

तुलसी जन्मोत्सव की तैयारी शुरू।

तक वृंदावन से आये छोटे-छोटे कलाकार तुलसी चरित्र पर आधारित लीलाओं का मंचन कस्बा समेत रत्नावली धाम महेवा घाट में नौ स्थानों पर करेंगे। तुलसी जन्म महोत्सव के आयोजक संत रामदास महाराज ने बताया कि तीन अगस्त से रामचरितमानस पाठ नर-नारियां सवेरे सात बजे से दस बजे तक व 11 से एक बजे तक भक्त नवम पारायण पाठ करेंगे। प्रतिदिन साढे चार से साढे सात तक रामकथा होगा। आठ बजे से रात दस बजे तक तुलसी चरित्र के दर्शन होंगे। 11 अगस्त को अपरान्ह दो बजे से भव्य शोभा यात्रा निकलेगी। कस्बा समेत ग्रामीण क्षेत्र के नर-नारी हिस्सा लेंगे। तुलसी जन्म महोत्सव की पूर्व संध्या पर एसडीएम राजापुर प्रमोद झा ने तुलसी जन्म कुटीर में तैयारियों का जायजा लिया। तुलसी जन्मोत्सव पर कस्बा समेत ग्रामीण क्षेत्र के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। तुलसीदास महाराज रामचरितमानस से समाज को सतमार्ग अपनाने का रास्ता बताया है। ऐसे महान संत के जन्मोत्सव में समर्पण भाव से हिस्सा लेकर इतिहास बनाने की जरूरत है। तुलसी जन्म महोत्सव में तुलसी सेवा परिवार के राजेंद्र पांडेय बनारस, सतीश चंद्र मिश्रा, अशोक सोनी, वीरेंद्र द्विवेदी, हरिमोहन सोनी, उमेश सोनी, श्रवण कुमार गर्ग, मयंक तिवारी, प्रहलाद सोनी, दीपू सोनी, सूर्य प्रकाश त्रिपाठी आदि तैयारी में लगे हैं।

पुलिस ने गांजा समेत एक दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में चैकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने प्रेमकुमार गुप्ता उर्फ भालू पुत्र भूरेलाल गुप्ता पाण्डेय कालोनी कोतवाली कर्वी के कब्जे से 750 ग्राम गांजा समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। टीम में चैकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी, दरोगा यूटी कुंवर प्रखर सिंह, सिपाही श्यामू व नरेन्द्र शामिल रहे।

झमाझम बारिश को भक्तों ने भरी मत्स्यगयेन्द्रनाथ की जलहरी

मत्स्यगयेन्द्रनाथ में जलहरी भरते भक्त।

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। क्षेत्र की खुशहाली व जिले में झमाझम बारिश की कामना को लेकर भक्तों ने मत्स्यगयेन्द्रनाथ सरकार की जलहरी भरी। मंदाकिनी नदी के जल से भोलेनाथ की जलहरी भरने के बाद भक्तों ने सामूहिक स्तुति की। आरती बाद प्रसाद बांटा गया।

गुरुवार को मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीपदास महाराज ने बताया कि दशकों से बारिश की कामना को लेकर जलहरी भरने की परम्परा रही है। इस साल जिले में कम बारिश हुई है। भक्तों ने जलहरी भरी। बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि जिले का किसान ट्यूबवेल से खेतों को भरकर धान की रोपाई करने पर मजबूर है। जिले में बहुत कम बारिश हुई है। भक्तों ने हर-हर बम-बम जयकारों के बीच भोलेनाथ की जलहरी भरी। मंदाकिनी नदी का जल लेकर जलहरी भरकर सामूहिक स्तुति हुई। भोलेनाथ से क्षेत्र में कृपा करने व किसानों की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर पुजारी विपिन बिहारी, गुलजारी लाल, पुनीत तिवारी, शुभम शुक्ला, रोहित, शिवम, सुरेश चैरसिया, सर्वेश तिवारी, जगरूप पाठक समेत अन्य भक्त मौजूद रहे।

कौन था मुहम्मद दीफ? कई बार दिया मौत को 'चकमा', इजरायल पर हमले का यही था मास्टरमाइंड

नई दिल्ली: इजरायल डिफेंस फोर्स (कऊऋ) ने गुरुवार को हमास के सैन्य प्रमुख मुहम्मद दीफ के मारे जाने की पुष्टि की है. आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हम कंफर्म करते हैं कि मुहम्मद दीफ की मौत हो गई है.

एक सैन्य बयान में कहा गया है कि आईडीएफ घोषणा करती है कि 13 जुलाई 2024 को आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने खान यूनिस के क्षेत्र में हमला किया और एक खुफिया आकलन के बाद यह पुष्टि की जा रही है कि हमले में मुहम्मद दीफ मारा गया

बता दें कि 13 जुलाई को इजरायल ने खान यूनिस के एक बड़े हवाई हमले में डीफ को निशाना बनाया था. इस हमले में कम से कम 90 लोग मारे गए और 300 अन्य घायल हो गए थे.

कौन था मुहम्मद दीफ?

दीफ 1990 के दशक में हमास की सैन्य शाखा कस्साम ब्रिगेड के संस्थापकों में से एक था उसने 20 से ज्यादा सालों तक इस बल का नेतृत्व किया है. उसे आत्मघाती बम विस्फोटों की योजना बनाने के लिए जाना जाता है. इन आत्घाती हमलों ने दर्जनों इजरायली नागरिक मारे गए थे. इजरायल ने उसे और हमास के नेता याह्या सिनवार को 7 अक्टूबर के हमले के मुख्य साजिशकर्ता घोषित किया था

1987 में हमास से जुड़ा दीफ

1948 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद स्थापित खान यूनिस शरणार्थी शिविर में 1965 में जन्मे मुहम्मद दीफ अल मसरी 1987 में पहले इंतिफादा या फिलिस्तीनी विद्रोह के दौरान हमास में शामिल हो गए थे. दीफ इजरायल के मोस्ट वांटेड दुश्मनों की लिस्ट में शामिल था.उसने गाजा की इस्लामिक यूनिवर्सिटी से साइंस की पढ़ाई की. पढ़ाई के दौरान वह मुस्लिम ब्रदरहुड के करीब आया.

2002 में बना कस्साम ब्रिगेड प्रमुख

गौरतलब है कि हमास को मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा से जुड़ा माना जाता है. दीफ को हमास की सैन्य गतिविधियों में शामिल होने के चलते 1989 में इजरायल ने गिरफ्तार कर लिया था. इसके बाद वह 16 महीने जेल में रहा. दीफ 2002 में कस्साम ब्रिगेड का प्रमुख बना .

कई बार दी मौत को मात

दीफ इतना शातिर था कि इजरायल ने कई बार उसकी हत्या की कोशिश की लेकिन हर बार वह बच निकला था. रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार दीफ सुरंगों का नेटवर्क और बम बनाने में एक्सपर्ट था. उसने ही हमास में आत्मघाती विस्फोटक दस्ते को तैयार किया था. रिपोर्टों के अनुसार इजरायल द्वारा की गई हत्या के एक प्रयास में डेफ की एक आंख चली गई और एक पैर में गंभीर चोटें आई थी.

हिजबुल्लाह के सैन्य कमांडर फुआद शुक्र का शव बेरूत के मलबे से बरामद: रिपोर्ट्स

बेरूत (लेबनान): लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में मलबे में हिजबुल्लाह के सैन्य कमांडर फुआद शुक्र का शव बरामद हुआ है. रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी सामने आई है, जिसे दो सुरक्षा सूत्रों ने बुधवार को इसकी सूचना दी.

बता दें कि इजरायली सेना ने मंगलवार देर रात घोषणा की थी कि उसने शुक्र को मार गिराया है, जिसे उसने हिजबुल्लाह का सबसे वरिष्ठ कमांडर बताया था. इजरायली सेना ने उसे सप्ताह के अंत में हुए हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया था, जिसमें इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स में एक दर्जन युवा मारे गए थे.

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि एक व्यस्त इलाके में हुए हमले में कम से कम पांच नागरिक मारे गए, जिनमें दो बच्चे और तीन महिलाएं शामिल थीं. यहां हिजबुल्लाह के राजनीतिक और सुरक्षा अभियान हैं. इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 8 अक्टूबर से गोलीबारी हो रही है, एक दिन पहले हमास ने दक्षिणी इजरायल पर हमला किया था और गाजा में इजरायल-हमास युद्ध को जन्म दिया था.

हालांकि हिजबुल्लाह ने शनिवार को मजदल शम्स शहर में रॉकेट हमले में शामिल होने से इनकार किया है, लेकिन इजरायल ने आतंकवादी समूह को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है. इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने मंगलवार के हमले के तुरंत बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि 'हिजबुल्लाह ने एक लाल रेखा पार कर ली है.'

नेतन्याहू ने कहा, इजराइल ने दुश्मनों को 'करारा झटका' दिया है

तेल अवीव: इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने पिछले कुछ दिनों में दुश्मनों को 'करारा झटका' दिया है. उनका यह बयान हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनिया और वरिष्ठ हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुक्र की हत्या के कुछ घंटों बाद सामने आया है.

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि, अपने संबोधन के दौरान नेतन्याहू ने हनिया की हत्या के लिए इजाराइल की जिम्मेदारी का दावा नहीं किया. बता दें कि इजाराइल ने हनिया की हत्या की जिम्मेदारी ली है और ना ही इससे इनकार किया है.

इजराइली पीएम ने कहा कि तीन सप्ताह पहले, हमने हमास के सैन्य प्रमुख मोहम्मद डेफ पर हमला किया था. दो सप्ताह पहले हमने हौथियों पर हमला किया. उन्होंने बताया कि यह इजराइली वायु सेना की ओर से किए गए सबसे दूर के हमलों में से एक था।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

पाकिस्तान ने आतंकवादी समूह एमबी और एचजीबीजी को प्रतिबंधित किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने आतंकवादी समूह मजीद ब्रिगेड (एमबी) और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप (एचजीबीजी) पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब मुल्क में प्रतिबंधित संगठनों की कुल संख्या 81 हो गई है। इसके साथ ही सरकार ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल ख्वारिज के रूप में वर्गीगत किया है। इससे पहले 29 मार्च को आतंकवादी समूह जैनबियुन ब्रिगेड को प्रतिबंधित कर दिया गया था।

नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी के एक अधिकारी ने बताया कि मजीद ब्रिगेड को 19 जुलाई और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप को 25 जुलाई को प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंध लगाने से पहले दोनों संगठनों पर दो साल तक निगरानी रखी गई। हाफिज गुल बहादुर पहले एक सरकारी ठेकेदार थे। उनका संगठन एचजीबीजी अब उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे मजबूत आतंकवादी समूह है। मजीद ब्रिगेड का गठन 2011 में हुआ था। यह बलूच लिबरेशन आर्मी का विशेष रूप से घातक गुरिल्ला सेल है। यह ब्रिगेड ज्यादातर सुरक्षा बलों और चीन के हितों को निशाना बनाती है।

आंतरिक मंत्रालय की बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार सरकार ने सभी संस्थानों के लिए पाकिस्तान पर आतंकवादी हमलों के अपराधियों के नाम से पहले "खारिजी" का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की वास्तविक "विचारधारा" को उजागर करना है। इसका आशय धर्म की आड़ में इस्लाम की छवि को विकृत करना होता है। अधिसूचना के अनुसार आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों के लिए 'मुफ्ती' और 'हाफिज' जैसे शीर्षकों का उपयोग नहीं किया जाएगा, जबकि सभी पत्राचार और दस्तावेजों में उनके नाम से पहले "खारिजी" शब्द लिखा और पढ़ा जाएगा। अधिसूचना के अनुसार "भ्रष्ट तत्वों" को "फितना अल-ख्वारिज" कहा जाता है।

चार भारतीय टीवी चैनल समूहों ने नेपाल में बंद किया प्रसारण

काठमांडू। भारत के चार टीवी चैनल समूहों ने पैसे का भुगतान नहीं होने के कारण नेपाल में अपने-अपने चैनलों का प्रसारण गुरुवार से रोक दिय। इन चार टीवी चैनल समूहों में जी नेटवर्क, सोनी नेवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स है

नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए मंत्रालय की तरफ से पहल की जा रही है। आज शाम को चैनल डिस्ट्रीब्यूटरों और नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रतिनिधियों को बुलाकर इसका निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

ठाकुर के मुताबिक नेपाली दर्शकों के लिए गुरुवार से जी नेटवर्क, सोनी नेटवर्क, स्टार ग्रुप और कलर्स से जुड़े सभी चैनलों का प्रसारण रोक दिया गया है। नेपाल में इन चैनलों के प्रसारण का अधिकार खरीदने वाली वितरक कंपनी ने पिछले तीन महीने से भुगतान नहीं किया है। इस कारण एक अगस्त से नेपाल में इन चैनलों का प्रसारण नहीं हो रहा है। इस बारे में नेपाल के सबसे बडे डीटीएच कंपनी डिस होम के चरपर्सन देवी प्रकाश भट्टचन ने कहा कि सरकारी नीति के कारण आज चैनल का प्रसारण नहीं हो पा रहा है। भारतीय चैनल के प्रसारण को लेकर जो भुगतान किया जाना है उसकी अनुमति नेपाल राष्ट्र बैंक ने रोक दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीने से लगातार आग्रह किए जाने के बावजूद नेपाल राष्ट्र बैंक ने अब तक भुगतान को लेकर एक्सचेंज की सुविधा नहीं दी है। इस कारण चैनल का प्रसारण रुक गया है।

नेपाल ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए जारी की चेतावनी

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने मध्य पूर्व के देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी के बाद संबंधित देशों के नेपाली दूतावासों की तरफ से आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है।

विदेश मंत्री डॉ.आरजू राणा देउवा ने मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और इजरायल द्वारा इरान एवं लेबनान में किए गए हमले के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर इन देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की चेतावनी जारी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने मीडियाकर्मियों से कहा कि इजराइल, इरान, मिस्र और लेबनान में रहे अपने नागरिकों को सुरक्षित रहने और विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो मध्यपूर्व की चिंताजनक अवस्था को देखते हुए आसपास के देशों में कामदार के रूप में गए अपने नागरिकों को भी अलर्ट रहने को कहा गया है।

विदेश मंत्रालय के निर्देश के बाद इरान, मिस्र और इजराइल में नेपाली दूतावास और लेबनान के महावाणिज्य दूतावास के जरिए सूचना जारी कर अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किया गया है। इन देशों में रहने वाले नागरिकों को तत्काल दूतावास से संपर्क करने और अपनी-अपनी लोकेशन के बारे में जानकारी देने को कहा गया है।

इरान के नए राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने राजधानी तेहरान पहुंचे हमास के सर्वोच्च नेता इस्माइल हानिया की हत्या इजरायल के द्वारा किए जाने का दावा किया गया है। इतना ही नहीं लेबनान की राजधानी बेरूत में रह रहे हिज्बुलाह के कमांडर फाउद शुकर को भी इजरायल ने मार गिराया है। इन दोनों घटनाओं के बाद इरान और लेबनान दोनों ने ही इजरायल से बदला लेने की धमकी दी है। इन्हीं सब परिस्थितियों के बाद मध्यपूर्व में काफी तनाव बना हुआ है।

हिजबुल्लाह कमांडर के बाद अब हमास के सैन्य विंग कमांडर मुहम्मद दीफ की मौत की पुष्टि -

यरूशलम: लेबनान के बेरूत में हिजबुल्लाह के सैन्य कमांडर फुआद शुक्र का शव बरामद के बाद अब इजरायली सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उसने पुष्टि की है कि हमास की सैन्य शाखा का प्रमुख मोहम्मद दीफ जुलाई में गाजा में एक हवाई हमले में मारा गया.

इजराइल ने 13 जुलाई को दक्षिणी गाजा शहर खान यूनिस के बाहरी इलाके में स्थित एक परिसर पर हमला करके डेफ को निशाना बनाया था. हालांकि सेना ने कहा कि वह हफ्तों से यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि विस्फोट में उसकी मौत हुई या नहीं. वहीं दूसरी ओर हमास ने इस बात से इनकार किया है कि वह मारा गया था

उस समय गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा था कि हमले में 90 से अधिक लोग मारे गए थे, जिनमें आस-पास के तंबुओं में रहने वाले विस्थापित नागरिक भी शामिल थे. गुरुवार को एक बयान में, इजरायली सेना ने कहा कि 'खुफिया जानकारी के आकलन के बाद, यह पुष्टि की जा सकती है कि मोहम्मद दीफ हमले में मारा गया.'

फिलहाल इस मामले में हमास की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई. इजरायल की यह पुष्टि तेहरान में एक स्पष्ट इजरायली हवाई हमले के एक दिन बाद हुई, जिसमें हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता इस्माइल हनीयेह की मौत हो गई. इजरायल ने हमले के पीछे होने की पुष्टि या खंडन नहीं किया है, वहीं ईरान ने जवाबी कार्रवाई की कसम खाई है.

डेफ और हनीयेह के साथ, इजरायल ने गाजा में हमास के शीर्ष नेता येह्या सिनवार को खत्म करने का भी इरादा किया है, लेकिन वह अभी तक अंडरग्राउंड बना हुई है. इजराइल का कहना है कि सिनवार और डेफ 7 अक्टूबर के हमले के मास्टरमाइंड थे, जिसमें हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों ने दक्षिणी इजराइली समुदायों में उत्पात मचाया था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और लगभग 250 अन्य को बंधक बना लिया था.

डेफ 1990 के दशक में हमास की सैन्य शाखा, कस्साम ब्रिगेड के संस्थापकों में से एक था और उसने दशकों तक इस इकाई का नेतृत्व किया. उसकी कमान में, इसने बसों और कैफे में इजरायलियों के खिलाफ दर्जनों आत्मघाती बम विस्फोट किए और रॉकेटों का एक ऐसा जबरदस्त शस्त्रागार तैयार किया, जो इजरायल में गहराई तक हमला कर सकता था.

पेंटागन : 9/11 के दो गुनहगार दोष स्वीकार करने को तैयार

वाशिंगटन : अमेरिकी शहर न्यूयार्क में हुए 9/11 हमलों के गुनहगार खालिद शेख मोहम्मद और उसके दो साथी कोर्ट के समक्ष अपना गुनाह कबूल करने को तैयार हो गए हैं. अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी. तीनों अपराधी क्यूबा में ग्वांतानामो बे जेल में बंद हैं. अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने अपने बयान में कहा कि सैन्य आयोगों के संयोजक प्राधिकारी, सुसान एस्कलियर ने 9/11 के सह-अभियुक्तों में से तीन खालिद शेख मोहम्मद, वालिद मुहम्मद सलीह मुबारक बिन अत्ताश और मुस्तफा अहमद एडम अल हवासावी के साथ प्री ट्रायल समझौता किया.

पेंटागन के एक अधिकारी ने कहा कि प्री-ट्रायल समझौतों के दस्तावेज जनता के लिए उपलब्ध नहीं हैं. पेंटागन ने 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए हमलों को लेकर अली अब्दुल अजीज अली और रामजी बिन अल शिभ के साथ तीनों आरोपियों पर 5 जून, 2008 को संयुक्त रूप से आरोप तय किया गया था. कथित भूमिका के संबंध में उन्हें 5 मई 2012 को दूसरी बार अभियुक्त बनाया गया.

अमेरिकी सीनेट रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल ने इस मामले पर राष्ट्रपति जो बाइडेन के ढुलमुल रवैए पर जोरदार हमला बोला. अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, ह्लआतंकवाद के सामने बाइडेन-हैरिस प्रशासन की कायरता एक राष्ट्रीय अपमान है. 9/11 के हमलों के पीछे के लोगों सहित आतंकवादियों के खिलाफ समझौता याचिका , सरकार की अपनी जिम्मेदारी से घिनौनी विमुखता को दशार्ता है."

कमला हैरिस ने ट्रंप को दिया करार जवाब, बोलीं- अमेरिका इसका हकदार नहीं -

वाशिंगटन: अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय या अश्वेत टिप्पणी को नस्लीय भेदभाव वाला करार दिया. उन्होंने ट्रंप को अपने जवाब में कहा कि अमेरिकी जनता ट्रंप से 'बेहतर के हकदार' हैं. बता दें कि वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की चुनावी प्रतिद्वंद्वी हैं. ट्रंप की टिप्पणी को नस्लीय करार देते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि आज देश को दो अलग-अलग दृष्टिकोणों के बीच चुनाव करना है. उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप के चुनाव प्रचार से स्पष्ट है कि वह देश को 'पीछे' ले जाना चाहता है.

कमला हैरिस बुधवार (स्थानीय समय) को ह्यूस्टन के एक फंडरेजर कार्यक्रम में बोल रही थीं. इसके कुछ घंटे पहले ट्रंप ने उनसे सवाल किया था कि हैरिस की वास्तविक नस्लीय पहचान क्या है. वह भारतीय मूल की हैं या अश्वेत हैं.

हैरिस ने दानदाताओं से कहा कि इस समय, हम अपने देश के लिए दो अलग-अलग दृष्टिकोणों के बीच चुनाव कर रहे हैं. एक भविष्य पर केंद्रित है, दूसरा अतीत पर केंद्रित है. उन्होंने कहा कि हम इस कमरे में, भविष्य के लिए लड़ रहे हैं. हम अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं...ऐसे लोग भी हैं जो हमें पीछे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं. आपने उनका एजेंडा देखा होगा, वे इसे प्रोजेक्ट 2025 कहते हैं और यह 900 पन्नों का अतिवादी एजेंडा है.'

हैरिस ने प्रोजेक्ट 2025 पर बोलते हुए दावा किया कि यह मध्यम वर्ग पर कर बढ़ाएगा, अरबपतियों पर कर घटाएगा और सार्वजनिक शिक्षा को समाप्त कर देगा. ट्रंप पर आगे हमला करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम पीछे नहीं जाने वाले. हम सभी को याद है कि वे चार साल कैसे थे, और आज हमें एक और याद दिला दी गई.

उन्होंने कहा कि आज डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा वह विभाजन और अनादर का उनका वही पुराना राग है. उन्होंने आगे कहा कि मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि अमेरिकी लोग इससे बेहतर के हकदार हैं. उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी लोग एक ऐसे नेता के हकदार हैं जो सच बोलता है, जो तथ्यों के सामने आने पर शत्रुता और क्रोध से भरी हुई प्रतिक्रिया नहीं देता।